



Centre of Excellence



GOVT. COLLEGE SANJAULI SHIMLA – 171006, H.P. (India)
Co-Educational Institution
Affiliated to Himachal Pradesh University Shimla – 5

Website: www.gcsanjauli.edu.in
E-Mail: principalsanjauli@gmail.com

Supporting Document for 3.3.2

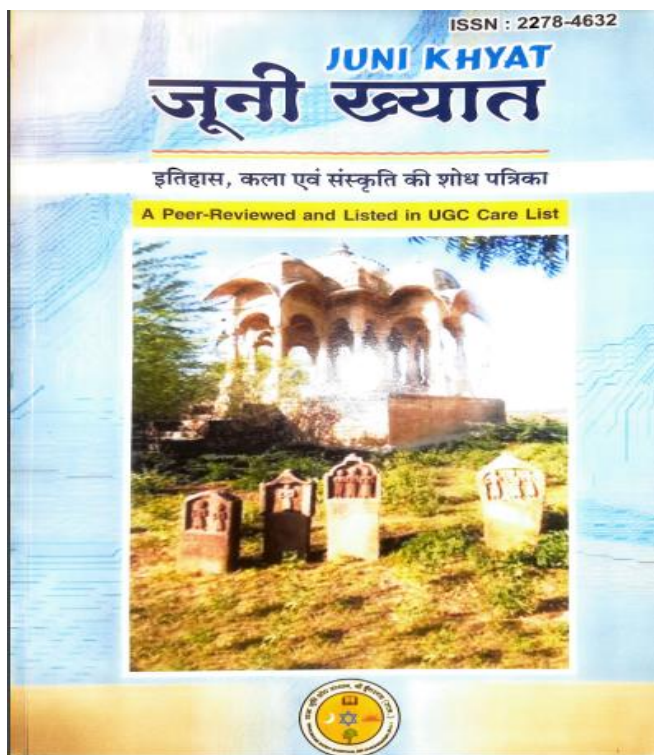
3.3.2: Number of books and chapters in edited volumes/books published and papers published in national/ international conference proceedings per teacher during last five years

TABLE OF CONTENTS

Sr. No	Author Name	Title of the Book/Paper/Chapter	Page no
2021-22			
1	Dr. Ram Lal Sharma	Arthvavastha, Antakvaad Aur Manvaadhikar	4
2	Dr. Satya Narain Snehi	Takniki Yug Me Bhasha Aur Sahitya	5
3	Dr. Satya Narain Snehi	Internet Par Mera Gaon	6
4	Dr. Anita Rathour Chauhan	Methods Of Sociological Enquiry	7
5	Dr. Anita Rathour Chauhan	Techniques Of Social Research	8
6	Dr. Anita Rathour Chauhan	Marriage, Family And Kinship	9
7	Dr. Kamayani	The Kali Project/Recipie For Ladyfinger Pickle/Born To The Mountains	10-11
8	Dr. Meenakshi Sharma	Animal Physiology And Biochemistry	12
2020-21			
9	Dr. Ajay Kumar	E-Commerce	13
10	Rajesh Dhorta	Fundamentals Of Financial Management	14

11	Rajesh Dhorta	Vitiya Prabandh Ke Mool Tatva	15
12	Dr. Ram Lal	Atal Bihari Bhajpai Ji Ke Arthik Drishtikon	16
13	Dr. Ram Lal	Arthik , Samajeek Samrasta Aur Bharat Ka Sanghiya Dhancha	17
14	Dr. Ram Lal	Vishav Guru Ke Roop Main Bharat Aur Nayi Sadi	17
15	Dr. Ram Lal	Impact Of Lock Down And Challeges Of Covid 19 On Indian Economy	18
16	Dr. Gian Chand	Kala Samvadan	19
17	Dr. Gian Chand	Madhu Naad	20
18	Dr. Ravinder Chauhan	Social Stratification	21
19	Dr. Ravinder Chauhan	Theory And Practice Of Development	22
20	Dr. Ravinder Chauhan	Population Studies	23
21	Dr. Kamayani	Year Book-Indian Poetry In English/The Witch Must Die	24
2019-20			
22	Dr. Meenakshi Sharma	Applied Zoology	25
23	Dr. Meenakshi Sharma	Medical Diognostic	26
24	Dr. Meenakshi Sharma	Genetics And Evolutionary Biology	27
25	Dr. Inder Thakur	Pandit Deendayal Upadhaya Vyakti Aur Wangmaya	28
26	Dr. Inder Thakur	Pandit Deendayal Upadhaya Jeevan Darshan	28
27	Dr. Inder Thakur	Pradhan Mantri Ki Mann Ki Baat	29
28	Dr. Inder Thakur	Atal To Atal Hai	29
29	Dr. Inder Thakur	Utar Adhunikta Aur Hidi Sahitya	30
30	Dr. Gian Chand	Swaranjan	31
2018-19			
31	Dr. Kamayani	The Witch Must Die	32
32	Dr. Kamayani	Conifers Call/A Tap On The Key Pad, Standing At The Gate Of Memory	32
33	Dr. Pawan Kumar	First Principle Studies Of Si Clustrers	33
34	Dr. Sandeep Chauhan	Ploymer Chemistry	34
35	Dr. Sandeep Chauhan	Organic Chemistry	34
36	Dr. R. L Sharma	Bharat Ratan Atal Bihari Bhajpai Jeevan Vayaktitav	35
37	Dr. R. L Sharma(Ed)	Water: Culture, Economy & Science	36

38	Dr. Anil Thakur(Ed)	Water: Culture, Economy & Science	37
39	Dr C B Mehta (Principal)	Jal-Sansadhan aur Prabandhan	38
40	Dr. Inder Thakur(Ed)	Bharat Ratna A.B. Vajpayee jivant vyaktitv avamAtal Chintan	39
2017-18			
41	Dr. Gian Chand	Sangeet Asanjan”	40
42	Dr. Gian Chand	Naad Niketan: Sangeetani	41
43	Dr. Meenakshi Sharma	Animal Diversity	42
44	Dr. Meenakshi Sharma	Comparative Anatomy and Development Biology of Vertebrates	42
45	Dr. Inder Thakur	Adhunik Kavita Ke vibhin aayam	43
46	Dr. Inder Thakur	utar adhunilta va ikisvi sadi ki kavita	43
47	Dr. Anjana Sharma	Matrices	44
48	Dr. Anil Thakur	Ethnobotany	45
49	Dr. Anil Thakur	Floriculture	45
50	Dr. Anil Thakur	Characteristics & Systematics of Seed Plants	46
51	Dr. Anil Thakur	Plant Anatomy and Embryology	47
52	Dr. Anil Thakur	Plant Physiology and Metabolism	48
53	Dr. Anil Thakur	Biofertilizers	49
54	Dr. Pawan Kumar Sharma	Waves and optics	50



Juni Khyat
(UGC Care Group I Listed Journal) ISSN: 2278-4632
Vol-11 Issue-08 No.02 August 2021

अर्थव्यवस्था, आतंकवाद और मानवाधिकार ।

डॉ. रामलाल शर्मा

ज्योतिपुर पोखरा अर्वादाय विभाग CEO, एक्टिव कालेज कनौजी, गिबवा

प्रायः में अंतर्राष्ट्रीय विधि में ये संकल्पना पूर्णतः पोषित थी कि राष्ट्र ही अंतर्राष्ट्रीय विधि के विषय हैं किन्तु कालान्तर में उसमें परिवर्तन हुआ और राश्यों के प्रतिनिध, व्यक्तियों को अधिकार और कर्तव्य दिये जाने के कारण उनके भी अंतर्राष्ट्रीय विधि का विषय माना जाने लगा।

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद यह निर्धार हो गया कि अंतर्राष्ट्रीय शांति व सुरक्षा उसी समय की रह सकती है जब व्यक्तियों की स्थिति में सुधार हो तथा उनके अधिकारों मूल स्वतंत्रताओं की अविच्छेदी हो। इसी कारण व्यक्तियों को राष्ट्रों द्वारा दिये गए कई अधिकारों में से एक अधिकार को मानवाधिकार कहते हैं।

चूंकि मानव बुद्धिमान एवं विवेकीय प्राणी है। इसीकारण इसको कुछ ऐसे मूल तथा अहमणीय अधिकार प्राप्त रहते हैं जिसे सामान्यतया मानवाधिकार कहा जाता है। अतः ये अधिकार उनके अस्तित्व के कारण उनसे संबंधित रहते हैं अतः वे उनमें अन्य से ही विहीन रहते हैं। इस प्रकार मानवाधिकार सभी व्यक्तियों के लिए होते हैं, चाहे उनका मूलक, धर्म, निज तथा राष्ट्रियता कुछ भी हो। ये अधिकार सभी व्यक्तियों के लिए अक्षय्यक हैं क्योंकि वे उनकी गरिमा एवं स्वतंत्रता के अनुरूप हैं तथा शारीरिक, भौतिक, नैतिक, सामाजिक कल्याण के लिए सहायक होते हैं।

विभिन्न राष्ट्रों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, उनके विचार तथा उनकी आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक स्थितियों में विभेदा के कारण मानवाधिकार इस शब्द को परिभाषित करना कठिन है। लेकिन यह कहा ही जा सकता है कि मानवाधिकार का विचार मानवीय गरिमा के विचार से संबंधित है। अतः उन सभी अधिकारों को मानवाधिकार कहा जा सकता है जो मानवीय गरिमा को बनाये रखने के लिए आवश्यक है।

विश्व के 1953 में मानवाधिकार सम्मेलन की घोषणा में यह कहा गया था कि सभी मानवाधिकार व्यक्ति में गरिमा और अनिहित योग्यता के प्रोद्युत होते हैं और 'व्यक्ति' मानवाधिकार तथा इन स्वतंत्रताओं का केन्द्रीय विषय है। बी. डी. बसू मानवाधिकारों को उन न्यूनतम अधिकारों के रूप में परिभाषित करते हैं, जिन्हें श्रेयिक व्यक्ति को, बिना किसी अन्य विचार के, मानव परिहार का संरक्षण होने के कारण स्वयं राष्ट्र या अन्य नीचजातिधारी के विरुद्ध धारण करना चाहिए।

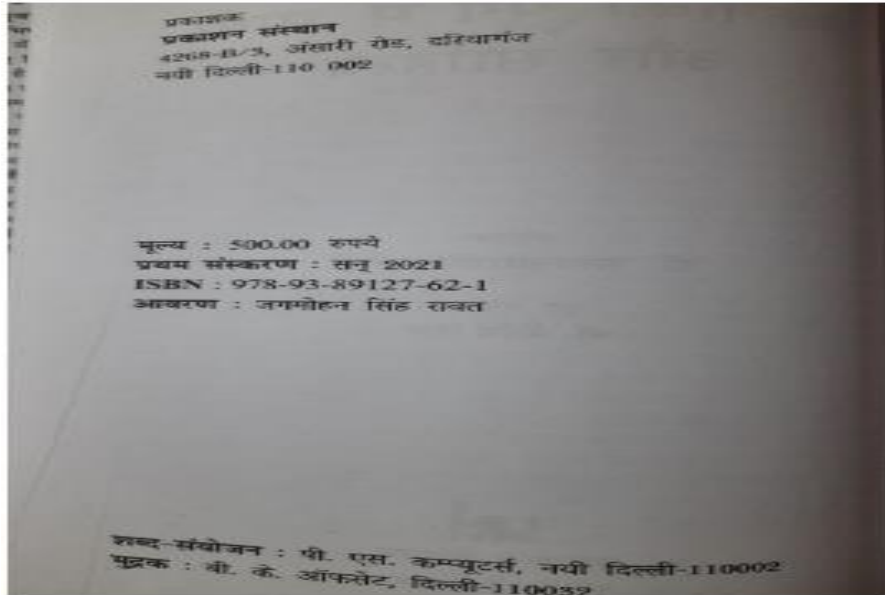
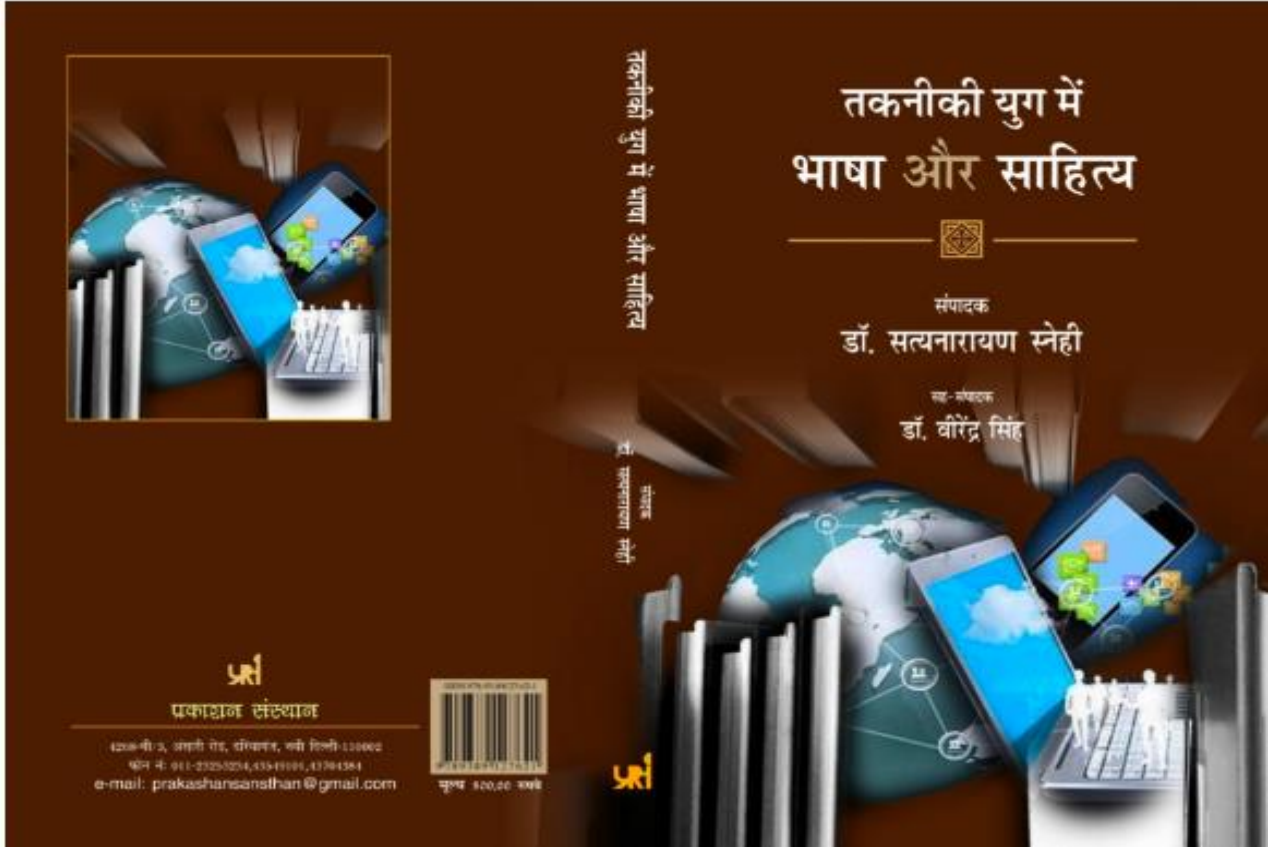
मानवाधिकार अधिभाषण एवं अन्वीक्षाजित होने हैं इसलिए संश्लिप्त में विषय-विस्तार प्रकार के मानवाधिकार नहीं हो सकते फिर भी संयुक्त राष्ट्र संघाधी के अर्गत मानवाधिकार के क्षेत्र में किने गए विकास में यह स्पष्ट हो जाता है कि मानवाधिकारों को मुख्य रूप से दो भागों में बांटा जा सकता है। अर्थात्

- 1) निम्निल एवं राजनैतिक अधिकार और
- 2) आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकार।

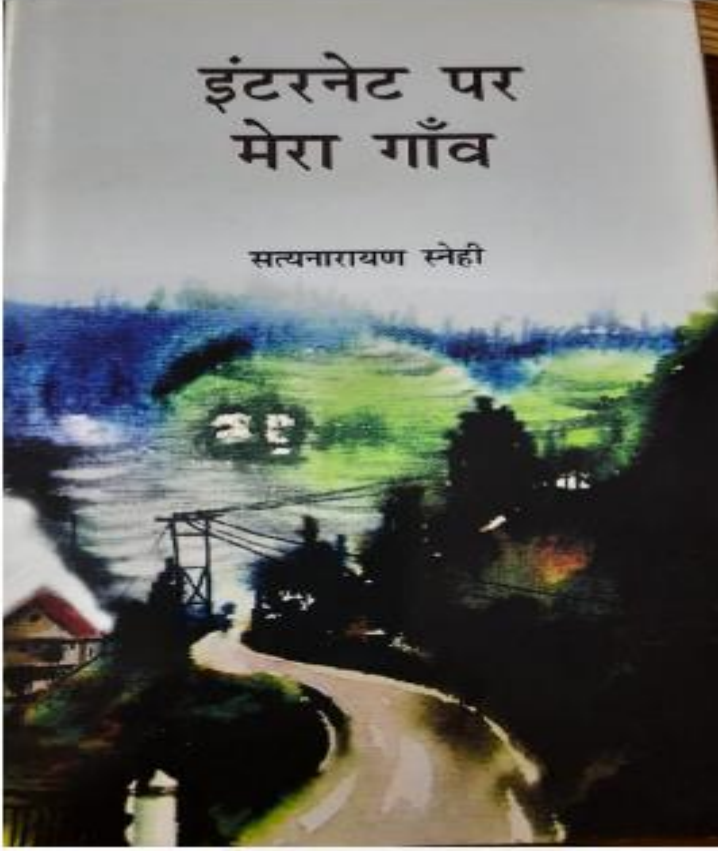
अब आतंक का अन्वेषित प्रयोग कतिपय उ ेद्यों को विशेष रूप में राजनैतिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए किया जाता है तब सामान्यतया उनकी आतंकवाद कहा जाता है।

21	राष्ट्रवाद के परिप्रेक्ष्य में तेलुगु कविता	149
22	अर्थव्यवस्था, आतंकवाद और मानवाधिकार ।	152
23	INVESTIGATIONS ON <i>LYCOPUS EUROPAEUS</i> EXTRACTS FOR PROTECTIVE EFFECT AGAINST ULCERATIVE COLITIS IN RATS	156
24	HEPTOPROTECTIVE AND ANTIOXIDANT ACTIVITY OF LEMON GRASS D-GALACTOSMINE INDUCED OXIDATIVE STRESS IN RATS	165
25	PRELIMINARY PHARMACOLOGICAL SCREENING OF <i>HYGROPHILA AURICULATA</i> LEAVES FOR ANTI-INFLAMMATORY ACTIVITY IN RATS	174
26	INVESTIGATIONS OF <i>LYCOPUS EUROPAEUS</i> EXTRACT FOR WOUND HEALING POTENTIAL IN RATS	181

Dr. Satya Narain Snehi



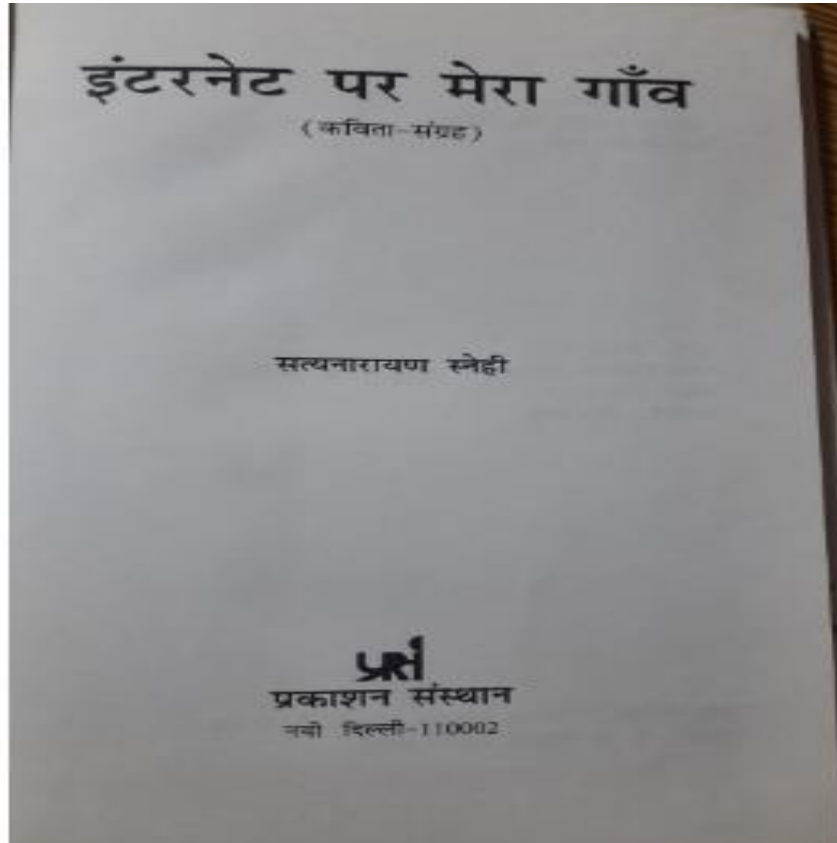
Dr. Satya Narain Snehi



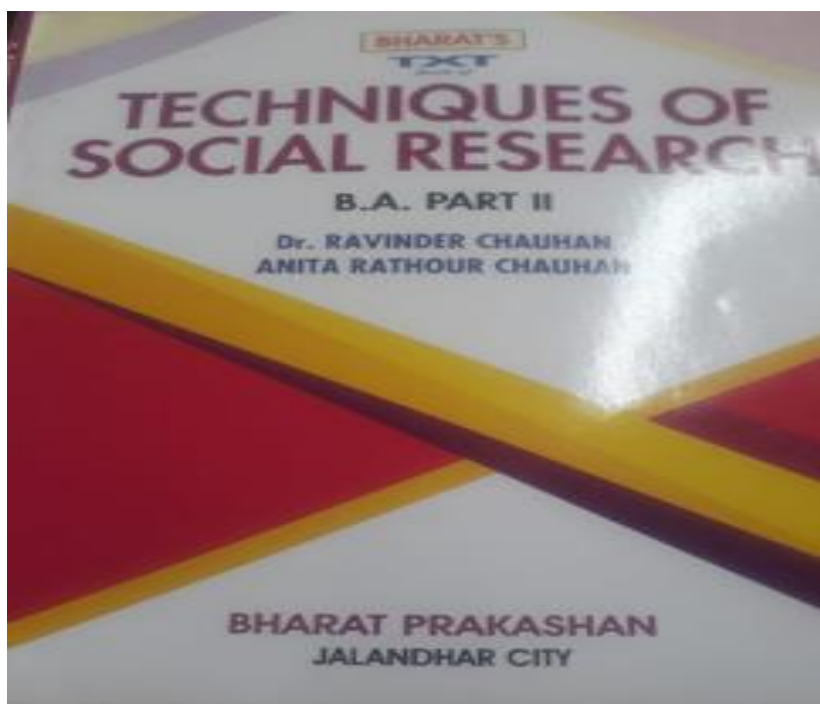
प्रकाशक
प्रकाशन संस्थान
4268-B/3, गजली रोड, गजियाबाद
नयी दिल्ली-110002

मूल्य : 250.00 रुपये
प्रथम संस्करण : सन् 2020
ISBN : 978-93-89127-19-5
आवरण : चमक शर्मा

शब्द-संयोजन : पी.एस. कम्प्यूटर्स, नयी दिल्ली-110002
मुद्रक : बी. के. ऑफसेट, दिल्ली-110032



Dr. Anita Rathour Chauhan



CONTENTS
TECHNIQUES OF SOCIAL RESEARCH

UNIT I

अनुक्रम 1. शोध डिजाइन (Research Design)
शोधक, शोध प्रश्न की पहचान, शोध प्रश्न की संरचना, शोध प्रश्न के स्तर, शोध प्रश्न के प्रकार 1-4

अनुक्रम 2. परिकल्पना : अर्थ, प्रकार एवं प्रकार्य (Hypothesis : Meaning, Types and Importance)
परिकल्पना, संश्लेषण की विशेषताएँ, परिकल्पना के प्रकार, परिकल्पनाओं के अर्थ एवं प्रकार्य का वर्णन 5-10

UNIT II

अनुक्रम 3. प्रतिनमन (Sampling)
प्रतिनमन की परिभाषाएँ, प्रतिनमन की विशेषताएँ, प्रतिनमन के प्रकार 11-26

अनुक्रम 4. आँकड़ों के अर्थ (Meaning of Data)
आँकड़ों का वर्गीकरण एवं एवं परिभाषाएँ, परिभाषाएँ, आँकड़ों के प्रकार 27-31

अनुक्रम 5. आँकड़ों के स्रोत (Sources of Data)
आँकड़ों के स्रोत, प्राथमिक और द्वितीयक स्रोत, आँकड़ों के प्रकार एवं स्रोत 32-40

UNIT III

अनुक्रम 6. आँकड़ों का कोडिंग (Coding of Data)
कोडिंग का अर्थ एवं परिभाषाएँ, कोडिंग के उद्देश्य, कोडिंग की विशेषताएँ, कोडिंग के प्रकार 41-45

अनुक्रम 7. आँकड़ों का विश्लेषण (Analysis of Data)
आँकड़ों का विश्लेषण क्या है, आँकड़ों का विश्लेषण करने के उद्देश्य, आँकड़ों का विश्लेषण करने के प्रकार, आँकड़ों का विश्लेषण करने के तरीके 46-55

अनुक्रम 8. आँकड़ों का निरूपण (Presentation of Data)
आँकड़ों का निरूपण क्या है, आँकड़ों का निरूपण करने के उद्देश्य, आँकड़ों का निरूपण करने के तरीके, आँकड़ों का निरूपण करने के प्रकार 56-65

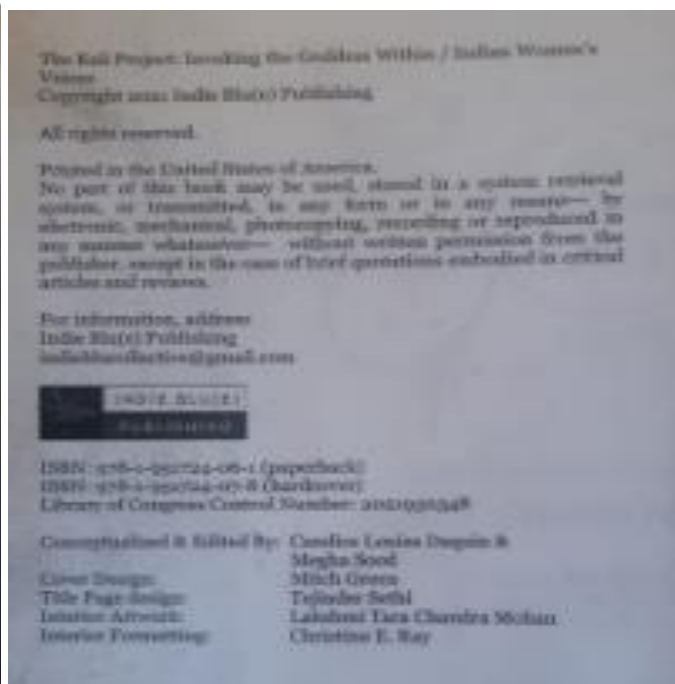
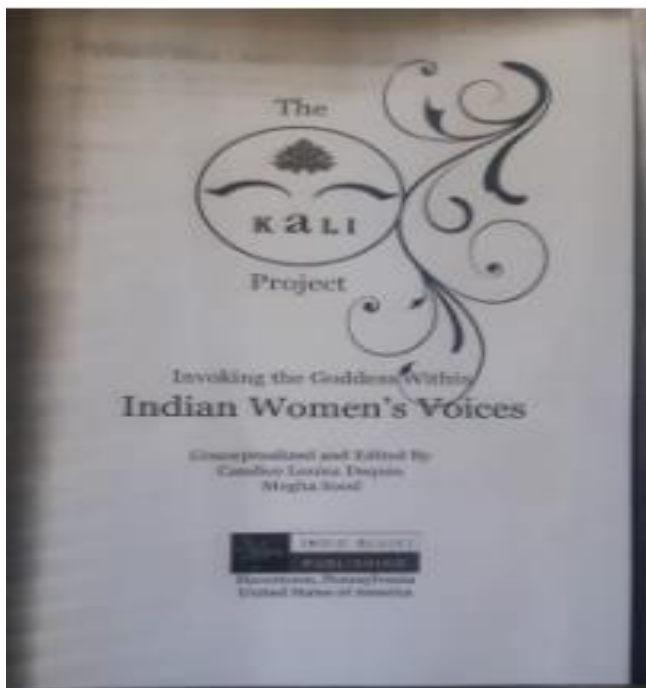
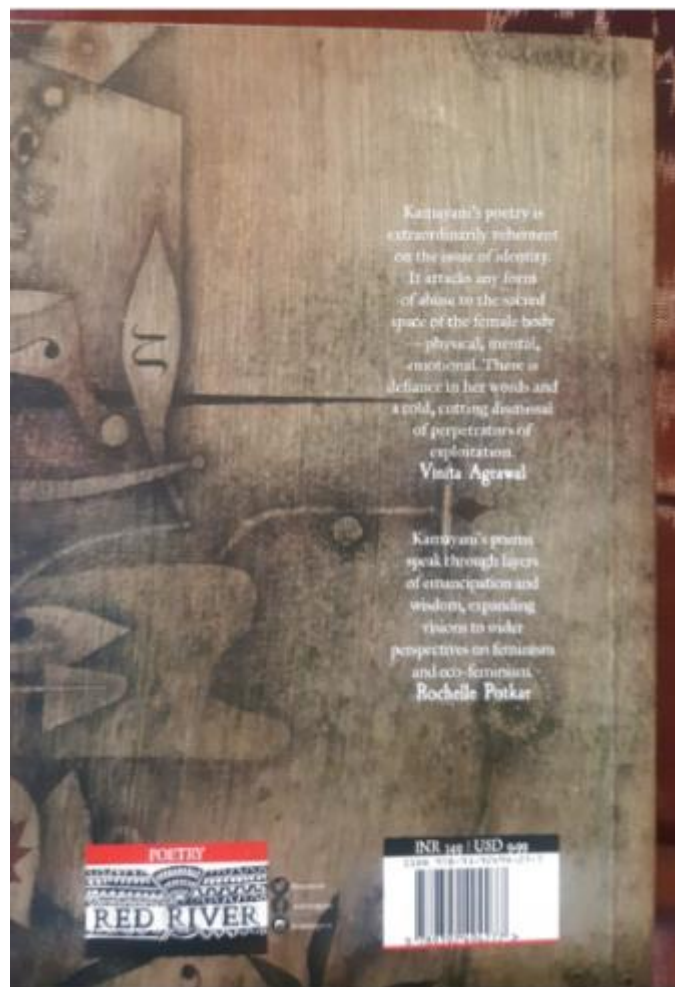
UNIT IV

अनुक्रम 9. आँकड़ों का विश्लेषण (Analysis of Data)
आँकड़ों का विश्लेषण क्या है, आँकड़ों का विश्लेषण करने के उद्देश्य, आँकड़ों का विश्लेषण करने के तरीके, आँकड़ों का विश्लेषण करने के प्रकार 66-75

अनुक्रम 10. आँकड़ों का निरूपण (Presentation of Data)
आँकड़ों का निरूपण क्या है, आँकड़ों का निरूपण करने के उद्देश्य, आँकड़ों का निरूपण करने के तरीके, आँकड़ों का निरूपण करने के प्रकार 76-85

BIBLIOGRAPHY 86

Dr. Kamayani



K. Srilata.....	174
Kaikasi V.S.....	177
Kalpna Singh-Chitnis.....	181
Kalyani Bindu.....	184
Kamayani Vashiht.....	186
Kanchan Rathna.....	189
Kashiana Singh.....	191
JapNeet Kaur.....	193
Kavita Ezekiel Mendonca.....	198
Kavita A. Jindal.....	203
Kavita Ratna.....	207
Kirun Kapur.....	209
Kripi Malviya.....	212
Lahari Mahalanabish.....	214
Lakshmi Kannan.....	217
Lakshmi Tara.....	220
Dr. Laksmisree Banerjee.....	224
Lathaprem Sakhya.....	226
Lavanya Nukavarapu.....	228
Lina Krishnan.....	239
Lopamudra Banerjee.....	232
Madhu Jaiswal.....	237
Madhu Sriwastav.....	239
Mandakini Bhattacherya.....	241
Mandrita Bose.....	242
Manini Priyan.....	245

THIRD EYE BUTTERFLY PRESS

Stefan Bohdan
Third Eye Butterfly Press
Orlando, Florida USA

April 5, 2021

To Whom It May Concern,

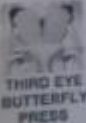
Kamayani Vashiht's poems have been accepted for publication in *Paradise on Earth: An International Anthology 2021* by Third Eye Butterfly Press.

Of over 150 poets, Kamayani's four poems were memorable and among the finest submitted. We are honored to have a poet of her caliber included in our publication.

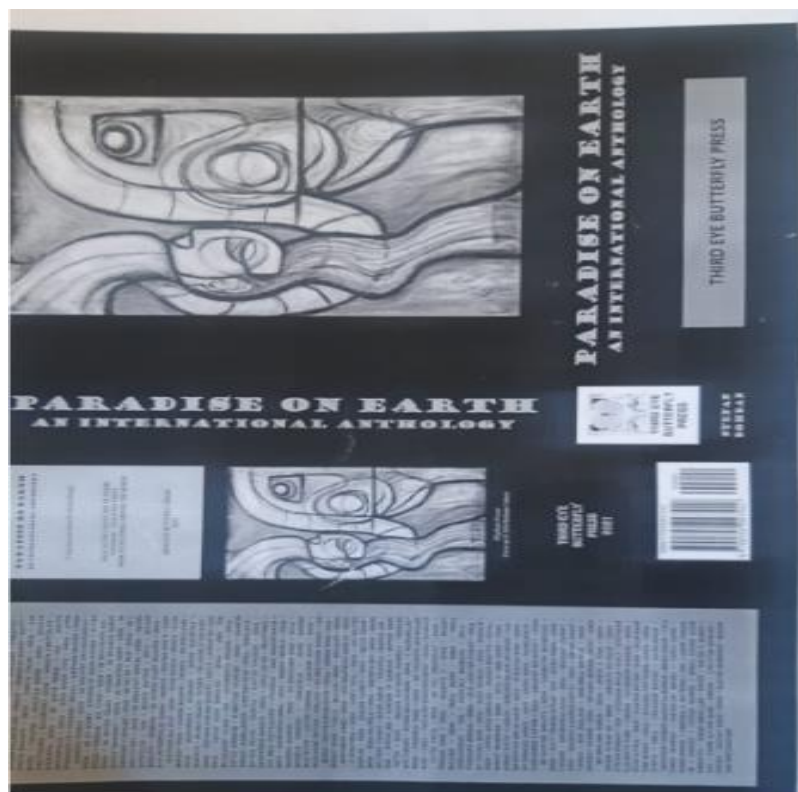
We have included the anthology's cover which lists her as a contributor. The anthology is scheduled for publication this month and will be available globally on Amazon.

ISBN: 978052047442 Library of Congress Control Number: 2021900863

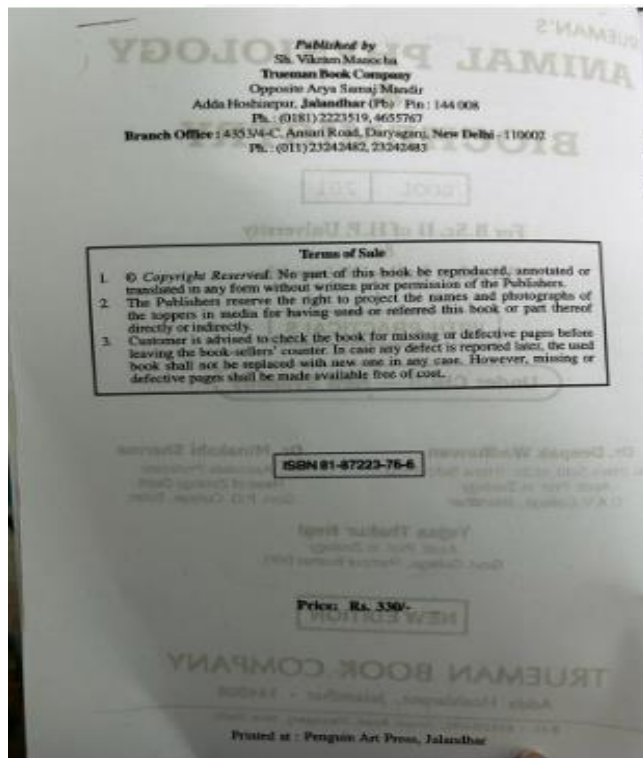
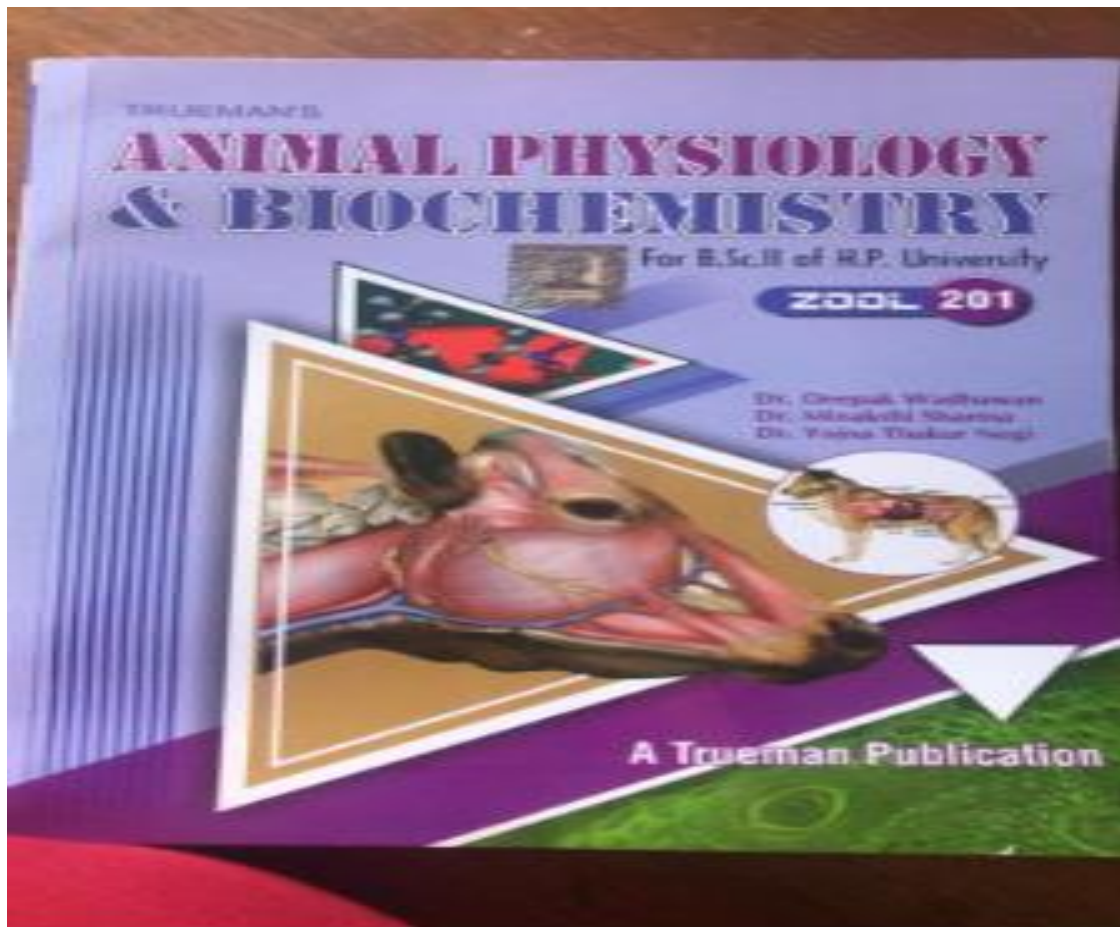
Sincerely,
Stefan Bohdan
Founder



Third Eye Butterfly Press
Phone: 1 321 438 1512
Email: thirdeyebutterflypress@outlook.com
Web: thirdeyebutterflypress.com

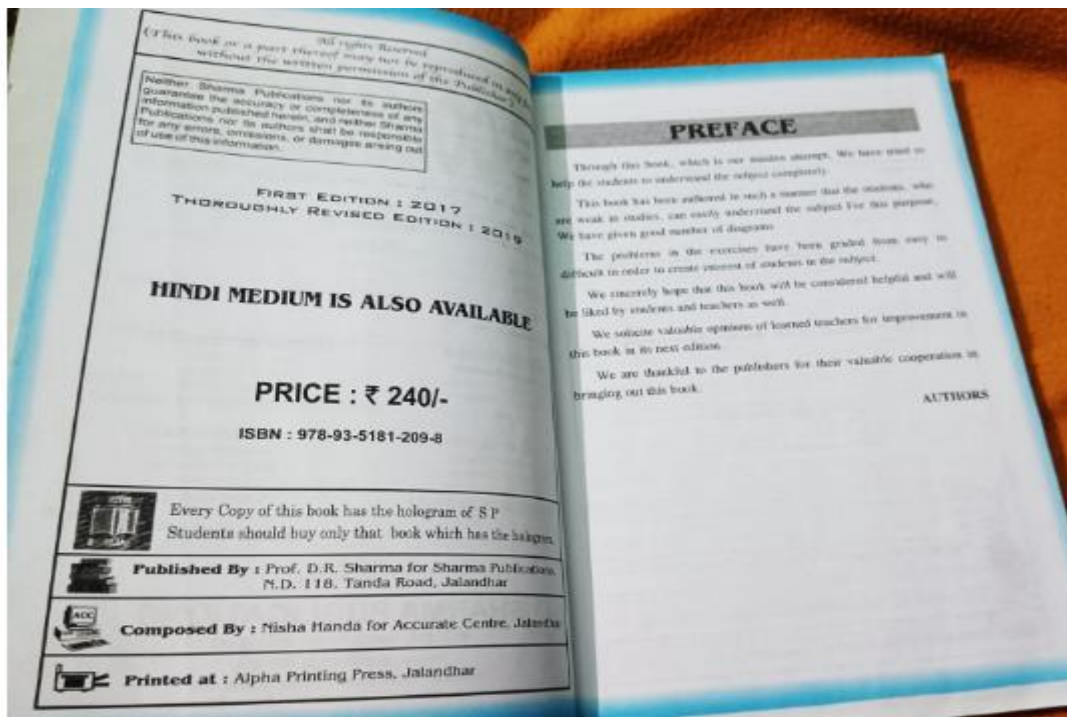
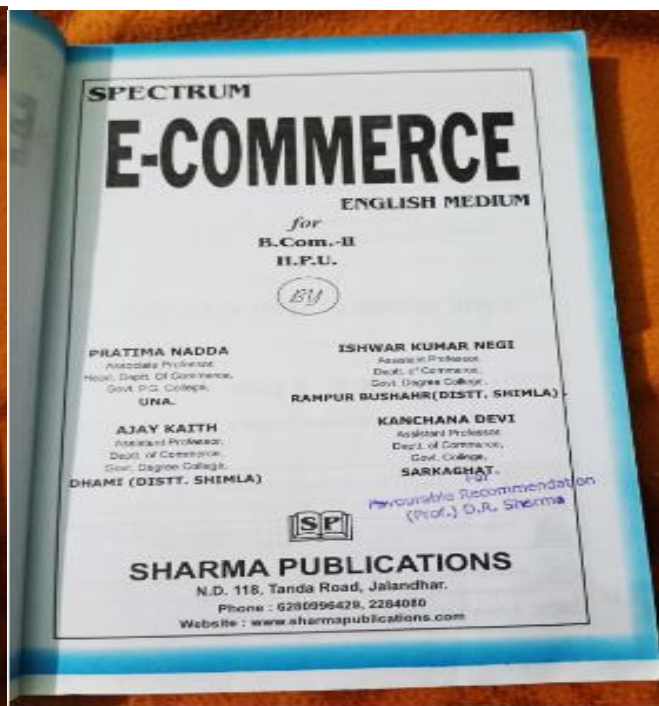
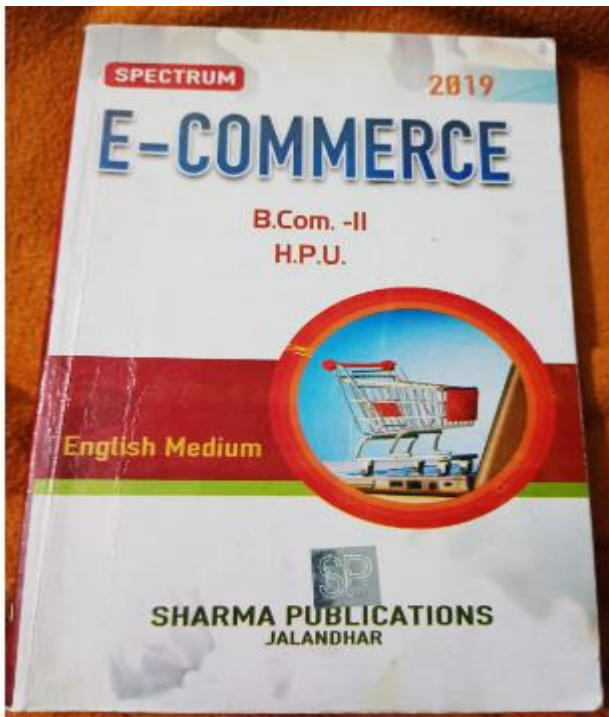


Dr Meenakshi Sharma

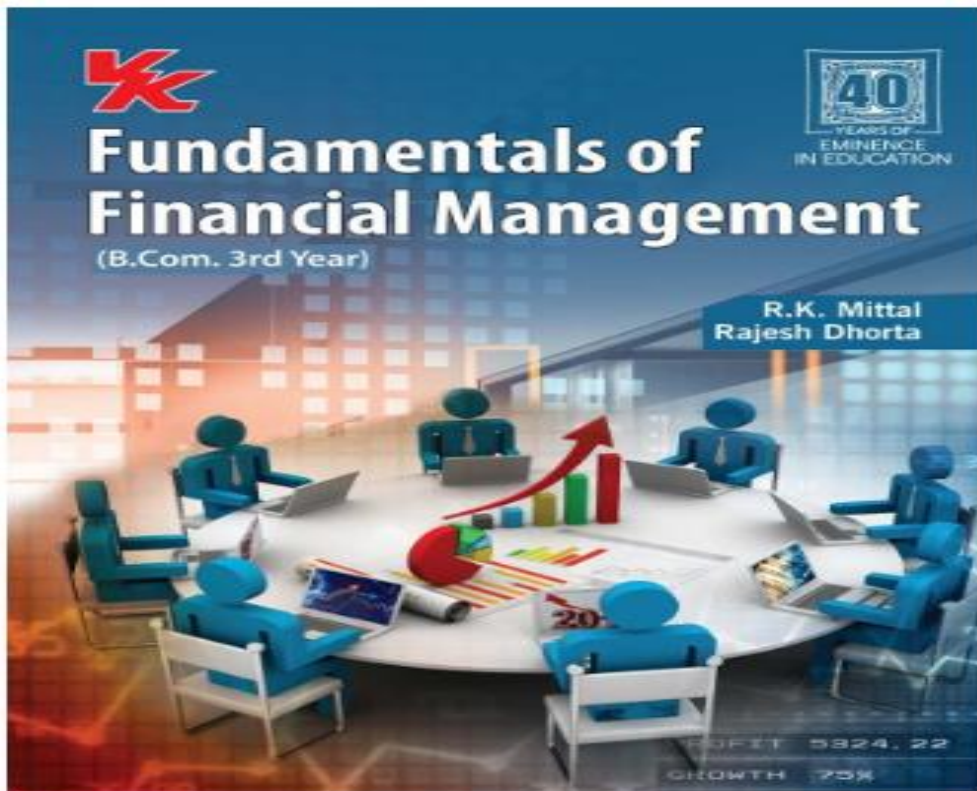


CONTENTS	
ANIMAL PHYSIOLOGY	
ZOOLOGY	
1. Nutrition, Digestion and Absorption	1
2. Circulatory System	23
3. Respiratory System	53
4. Excretory System	79
5. Muscles	102
6. Neural Integration	116
7. Endocrine System	137
BIOCHEMISTRY	
1. Carbohydrate Metabolism	1
2. Lipid Metabolism	38
3. Protein Metabolism	50
4. Enzymes	67

Dr. Ajay Kaith



Dr. Rajesh Dhorta



 **Save Extra** with 3 offers

No Cost EMI: Avail No Cost EMI on select cards for orders above ₹3000 | [Details](#)

Bank Offer: 5% Instant Discount up to INR 250 on HSBC Cashback Card Credit Card Transactions. Minimum purchase value INR 1000 | [Details](#)

▼ [See 1 more](#)



10 days
Replacement



Amazon
Delivered



Secure
transaction

Reading books is a kind of enjoyment. Reading books is a good habit. We bring you a different kinds of books. You can carry this book where ever you want. It is easy to carry. It can be an ideal gift to yourself and to your loved ones. Care instruction keep away from fire.

ISBN-10



9387958302

ISBN-13



978-9387958302

Edition

#

2020th

Publisher



VK Global
Publications Pvt
Ltd



Dr. Rajesh Dhorta



Bank Offer: 5% Instant Discount up to INR 250 on HSBC Cashback Card Credit Card Transactions. Minimum purchase value INR 1000 | [Details](#)

▼ See 1 more



10 days
Replacement



Amazon
Delivered



Secure
transaction

Reading books is a kind of enjoyment. Reading books is a good habit. We bring you a different kinds of books. You can carry this book where ever you want. It is easy to carry. It can be an ideal gift to yourself and to your loved ones. Care instruction keep away from fire.

ISBN-10



9387958582

ISBN-13



978-9387958586

Edition

#

2020th

Publisher



VK Global
Publications Pvt
Ltd



अटल बिहारी वाजपेयी जी के आर्थिक दृष्टिकोण

डॉ आर एल शर्मा

एसोसिएट प्रोफेसर अर्थशास्त्र, सीओई गवर्नमेंट कॉलेज, शिमला

अटल जी का आर्थिक चिन्तन एवम् दृष्टिकोण गव्यात्मक एवम् समकालीन सार्थक होता था। विपक्ष में रहते हुए उन्होंने सरकार की आर्थिक नीतियों का विश्लेषण समय की कसौटी पर बखूबी किया। हर एक विषय को उन्होंने सदन में तथा सदन के बाहर बहुत बेबाकी के साथ रखा। कुछ महत्वपूर्ण आर्थिक बिन्दुओं पर सदन में रखे विश्लेषण उनकी आर्थिक दृष्टि को स्पष्ट करते हैं।

कृषि :- भारत एक कृषि प्रधान देश है और कृषि को सही दिशा देने के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता भूमि सुधार की है। देश को अनाज की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनना हमारी सबसे पहली आवश्यकता है। भूमि सुधार में सबसे महत्वपूर्ण कदम जमींदारी उन्मूलन एं जोत की अधिकतम सीमा का निर्धारण एवम् भूमि का मालिकाना हक कृषक को देना होगा। भूमि सुधार केवल मात्र कानून बनाने से क्रियान्वित नहीं होगा। उन पर प्रभावी आचरण बहुत आवश्यक है। विपक्ष में रहते उन्होंने इस विषय को सदन में प्रमुखता एवम् प्रभावी ढंग से उठाया और इस पर सटीक चर्चा की। उनका मानना था यदि भूमि सुधार लागू करने की ईमानदारी से इच्छा नहीं की गई तो कोई कानून सरकार की ठीक मशा होने के बाद भी उद्देश्य को पूरा नहीं कर सकेगा। भूमि सुधारों की अधिक चर्चा करने से दुराई उत्पन्न होती है, किसान के मन में एक अनिश्चितता जाग जाती है। उन्होंने भारत में कृषि उत्पादकता में कमी को भूमि सुधारों की अनिश्चितता एवम् चर्चा को एक महत्वपूर्ण कारण बताया है। भूमि सुधार में दूसरा महत्वपूर्ण विषय है कि भूमिहीनों को भूमि मिले। अधिकांश हरिजन एवम् वनवासीयों के लिए भूमि परमावश्यक है जिससे एक स्वस्थ वर्ग हीन समाज का निर्माण किया जा सके। इसके लिए इन्हें केवल भूमि देने से काम नहीं होगा बल्कि उन्होंने खेती के लिए भूमि के साथ-साथ औजार एवम् अन्य आदानों को उपलब्ध करवाने के लिए कर्ज भी देना होगा। वाजपेयी जी का मानना था कि भूमिहीनों को भूमि देकर सहकारी समिति बना कर खेती करने के साधन उपलब्ध करवा कर मिलजुल कर खेती करने के पक्षधर भी थे। अगर कोई व्यक्तिगत रूप से खेती करना चाहता है, तो यह खेती कर सकता है, लेकिन केवल जमीन देने से समस्या हल नहीं होगी। भूमि पर अधिक चर्चा

करके हमने भूमि की भूख जगा दी है, मगर इस भूख को संतुष्ट करने के लिए हमारे पास पर्याप्त भूमि नहीं है। भूमि की मांग उसकी पूर्ति से बहुत अधिक है इसके समाधान के लिए हमें भूमि की मांग को कम कर भूमि से हटाकर लोगों को उद्योगों की ओर प्रेरित करना चाहिए। इस समस्या को वह जापान के साथ जोड़कर देखते थे और जापान का उदाहरण देकर नई व्यवस्था के पक्षधर थे। वह हर खेत को कारखाने के साथ जोड़ना चाहते थे।

खाद्य संकट :- खाद्य स्थिति के सम्बन्ध में समय-समय पर सरकार की प्रकाशित समीक्षा पर ससद के अन्दर और बाहर अपने विचार से समस्या को न केवल उजागर किया बल्कि समाधान का भी प्रयास किया।

Dr. Ram Lal Sharma



Certificate of Publication

ISSN 2230-7850

RNI: MAHMUL 2011/38595

Indian Streams Research Journal

International Recognized Multidisciplinary Research Journal

This is to certify that our review board accepted research paper of Dr. /Shri. Smt.: डॉ. रामलाल शर्मा Topic:-आर्थिक, सामाजिक समरसता और भारत का संघीय ढाँचा College : असोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, CEO गवर्मेन्ट कालेज, संजोली, शिमला. The research paper is original & innovative. It is done double blind peer reviewed. Your article is published in the month of July Year 2021.



Laxmi Book Publication

258/34, Raviwar Peth, Solapur-413005 Maharashtra India
Contact Detail: +91-0217-2372010 / 9595-359-435
e-Mail: ayisrj2011@gmail.com
Website: www.lbp.world

Authorised Signature

H.N. Jagtap
Editor-in-Chief



Certificate of Publication

ISSN 2249-894X

International Recognition Multidisciplinary Research Journal

Impact Factor : 5.7631(UIF)

Review of Research

This is to certify that our review board accepted research paper of Dr./Shri./Smt.: डॉ. रामलाल शर्मा Topic:- विश्वगुरु के रूप में भारत और नई सदी । College: असोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, CEO गवर्मेन्ट कालेज संजोली, शिमला. The research paper is original & innovative. it is Done Double Blind Peer Reviewed. Your article is published in the month of July 2021



Laxmi Book Publication

258/34, Raviwar Peth, Solapur-413005 Maharashtra India
Contact Detail: +91-0217-2372010 / 9595-359-435
E-mail: ayisrj2011@gmail.com
Website: www.lbp.world

Authorised Signature

Ashok Yakkaldevi
Editor-in-Chief



Research Article

Impact of Lockdown and Challenges of Covid-19 on the Indian Economy

R. L. Sharma

Department of Economics, Government College, Shimla (H. P.)

Email: rsharma2008@rediffmail.com

ABSTRACT

In recent years Indian economy was passing through the recession and economic slowdown now the corona virus has impacted the economy massively through the lockdown. The nationwide lockdown called in the wake of COVID-19 pandemic had taken a serious toll on the fiscal positions of the central and state government. The corona virus is spreading quickly around the globe. India is now facing its greatest crisis since its independence. In the wake of global slowdown growth of the Indian economy, the fiscal situation in the financial year is supposed to remain subdued and challenging. Indian government took the lesson from the developed countries like USA, UK and Germany and on the basis of the experiences of China and Korea to tackle this pandemic took the path of lockdown the country to save from community spread. The World Health Organization (WHO) has already declared it as world pandemic. More than 100 years later, we are witnessing the spectacle of a virus, after Spanish flew forcing nations to shut down for weeks at a time. That is why economists across the world believe that the global economy is in for its biggest recession in nearly two decades. Due to this lockdown almost every sector of the economy has been affected.

The countrywide lockdown put the Indian economy into troubled waters. We have many challenges in this corona pandemic before the economy, these are revival of economy, rebuilding of confidence among the migratory labour, employment generation and control of pandemic.

KEY WORDS

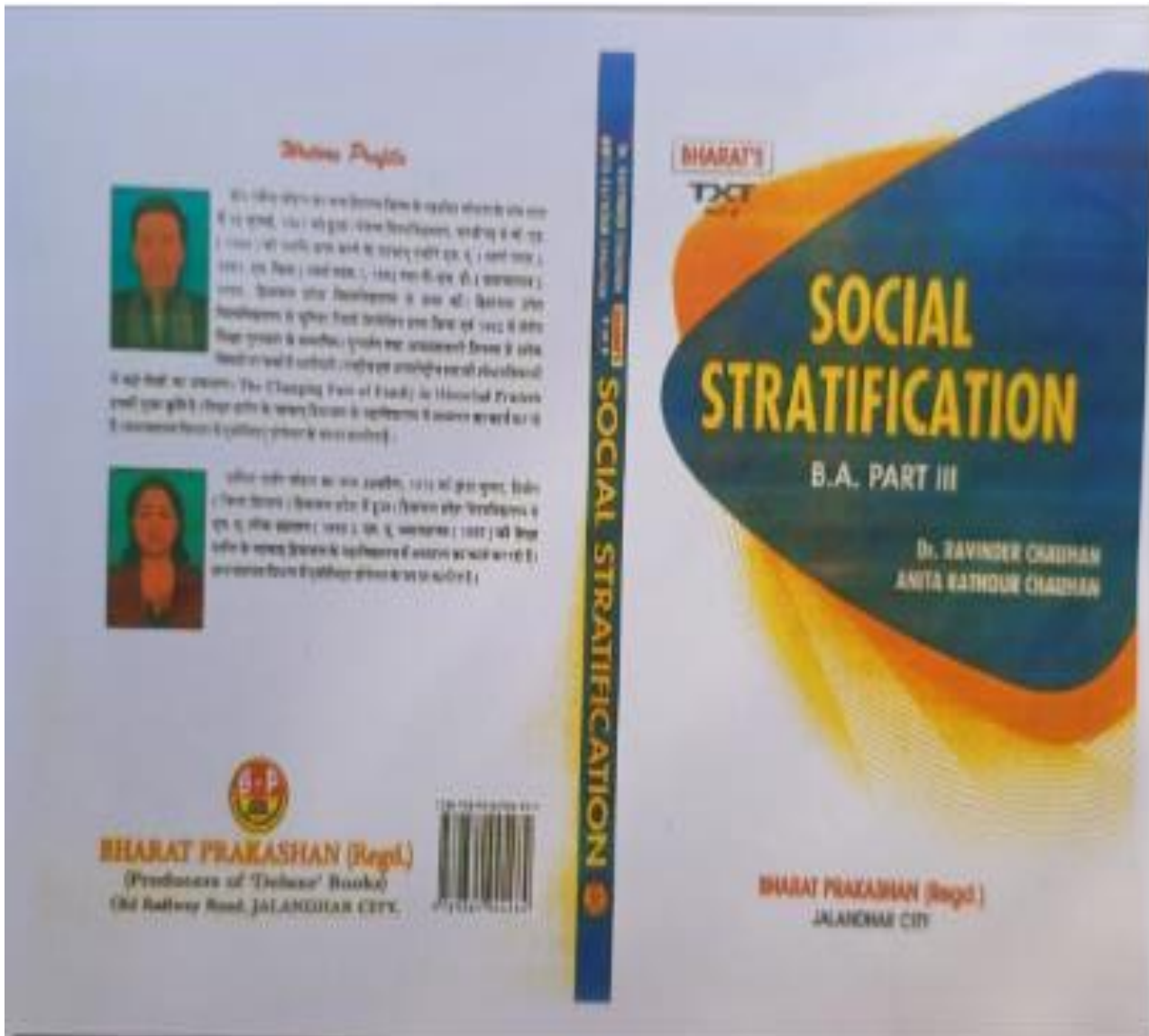
Lockdown, covid-19, pandemic, gross value added, migrant labour, workforce, non-performing asset, trickledown effect, (MPLADS), MSMEs MGNREGA, fiscal deficit, GDP, unemployment

Introduction

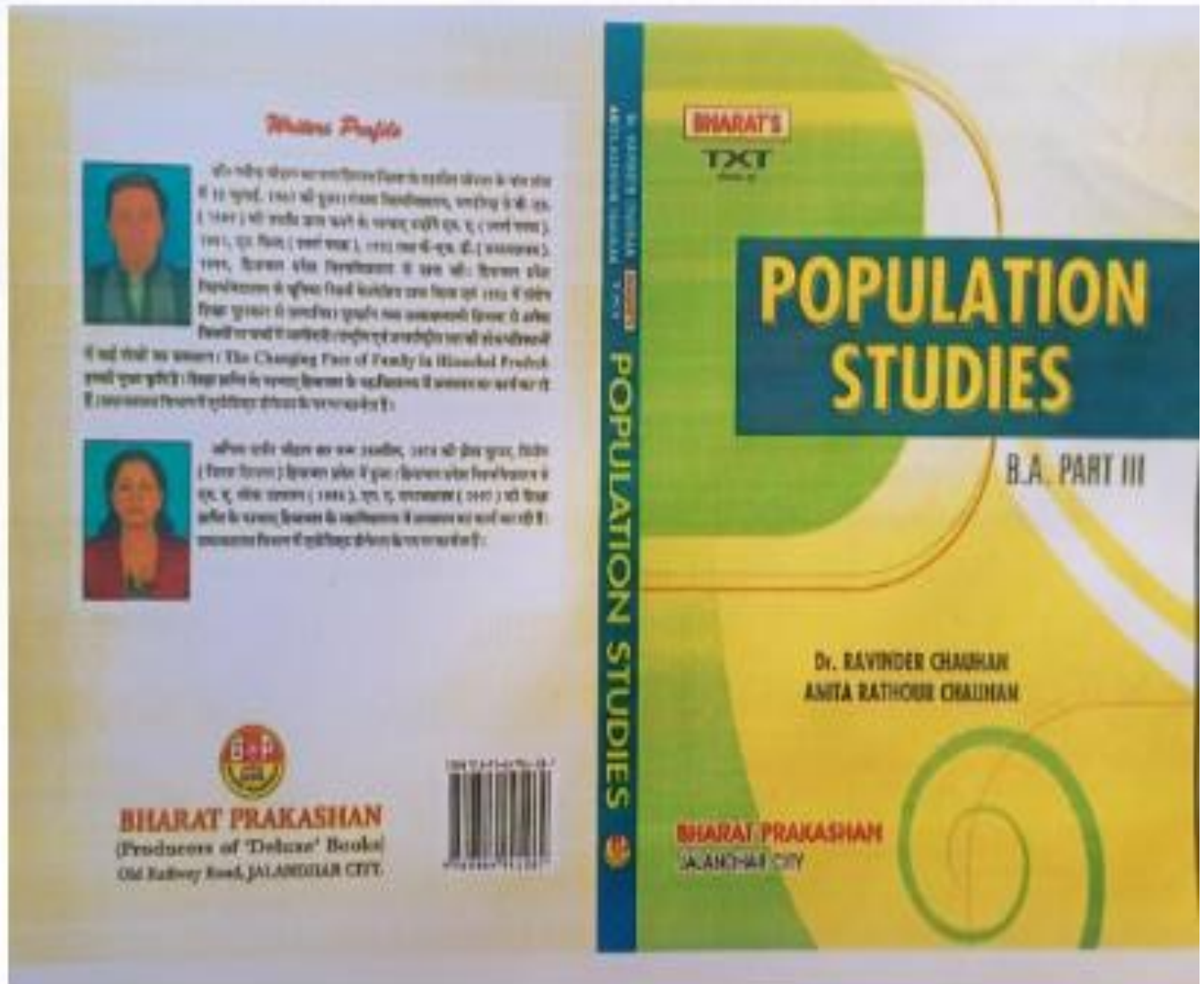
In recent years Indian economy was passing through the recession and economic slowdown now the corona virus has impacted the economy massively through the lockdown. The corona virus is spreading quickly around the globe. India is now facing its greatest crisis since its independence. The Prime Minister of India announced complete lockdown for 21-days and subsequently 19 days lockdown to enforce self-distancing to prevent the spread of COVID-19 and flatten its growth curve. There is no remedy of this virus except the social distancing. Many developed countries including USA, UK, Spain, France and many more countries have lost thousands of their citizens after its outbreak in China. These countries took it lightly in the beginning and it lead to community spread in these countries. These countries failed to tackle it at the initial stage through social distancing, since there is no vaccination and treatment of the pandemic except social distancing. Indian government took the lesson from these countries and on the basis of the experiences of China and Korea to tackle this pandemic took the path of lockdown the country to save from community spread. The World Health Organization (WHO) has already declared it as world pandemic. It is natural that in the process, the economy is on complete

bed rest. Governments, businesses and families respond to the pandemic in unprecedented ways, massively and necessarily disrupting the economy in the process. Karl Marx once wrote that a nation which ceased to work not say for a year, but even for a few weeks, would perish. The Prime Minister sh. Narinder Modi in his national address showed his concern about this lockdown. He categorically stated that this can give big jolt to our economy, if we would not follow the strict instructions of lockdown and we may go behind 21 years back. More than 100 years later, we are witnessing the spectacle of a virus, after Spanish flew forcing nations to shut down

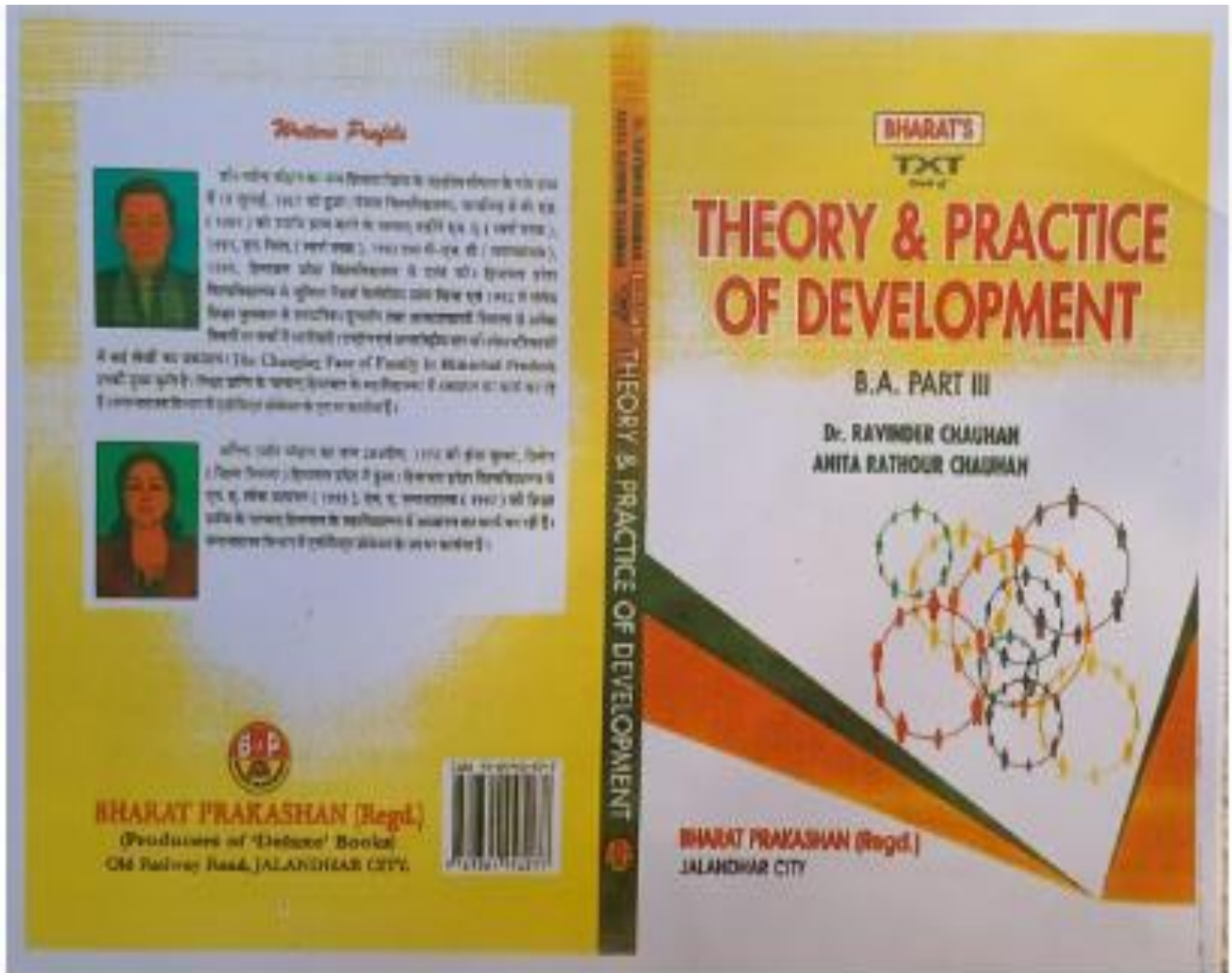
Dr. Ravinder Chauhan



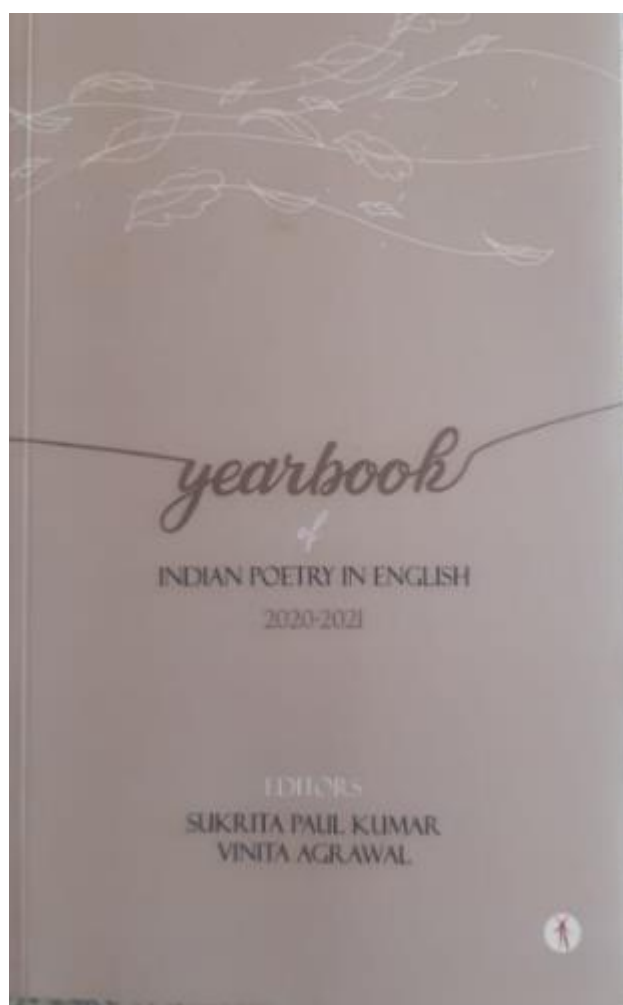
Dr. Ravinder Chauhan



Dr. Ravinder Chauhan



Dr. Kamayani



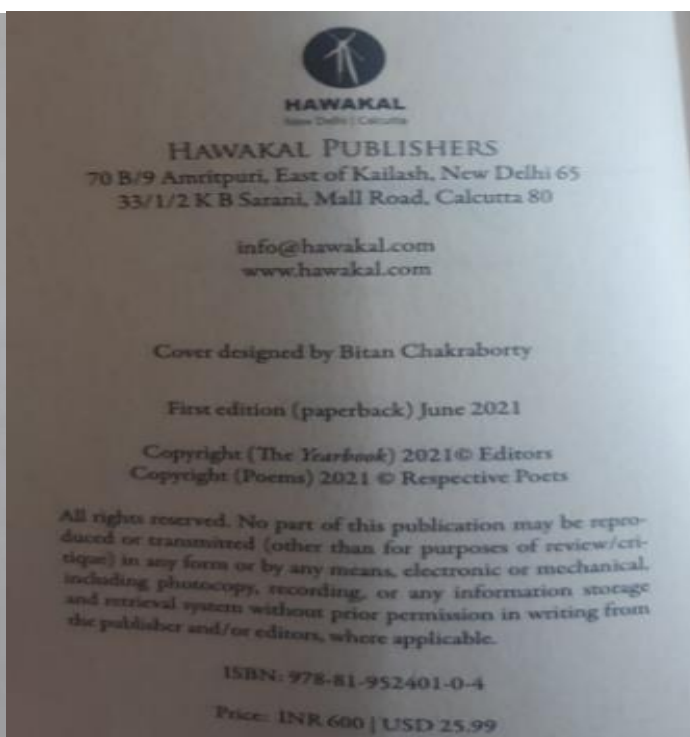
The inaugural volume of the *Yearbook* proudly launches the idea of celebrating quality poetry in English published by Indian poets. The collection is bound to create a critical consciousness amongst the readers to observe the ever-evolving aesthetics of poetry in English by Indian poets. The *Yearbook* triggers some pertinent questions to ponder: What are the benchmarks being set? How and why this genre of writing flourished in recent decades? How does one view the diversity of thematic concerns? How will the critic analyse the creative use of the English language that is different from the English elsewhere?

The editors, Sukrita Paul Kumar and Vinita Agrawal, have meticulously defined the process of selecting poems for this volume with certain clarity of purpose. What lies between the covers of this volume is the fruit of that collective effort. While this is essentially an annual collection of remarkable poetry from India — an assortment of about 100 poems — it is also the ideal way to catch up with the latest poetry of both established and emerging Indian poets writing in English. The coming of this *Yearbook of Indian Poetry in English* (2020-21), despite the gloom of pandemic times, marks a ray of hope and offers energy for thinking and creativity for the future.

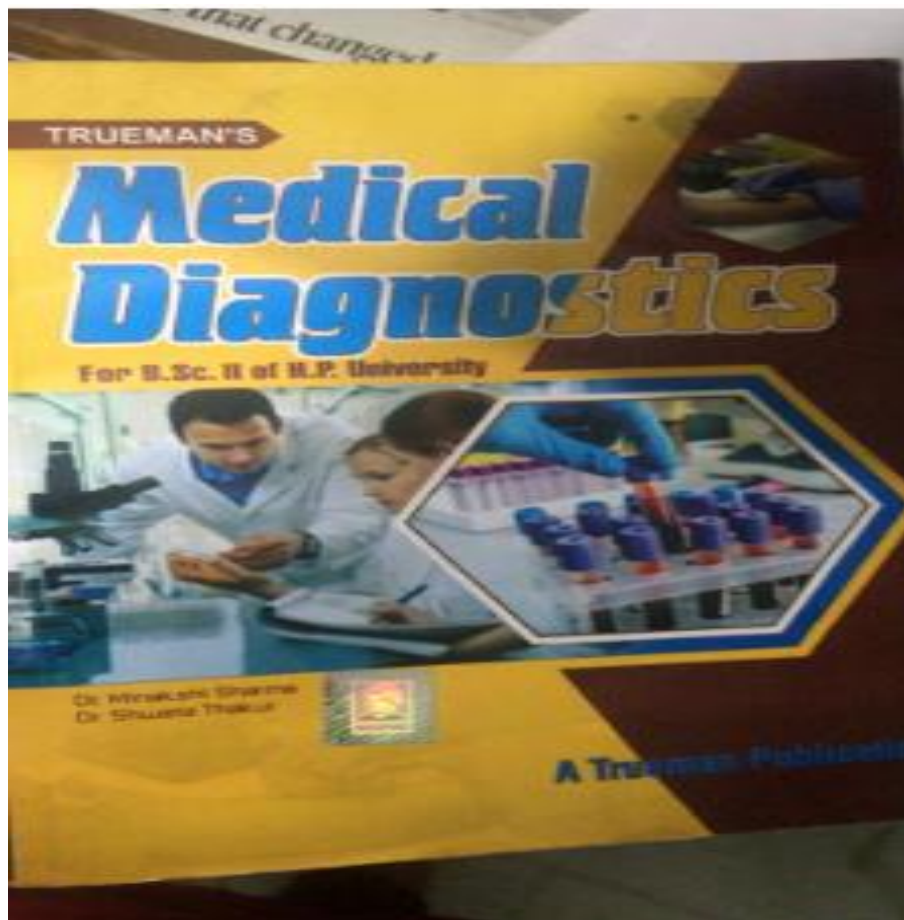


Screenshot (938).png (1366 x 768)

Durga Prasad Panda	65
<i>Felling Apart</i>	
Gayatri Lakhiani Chawla	67
<i>Hunger</i>	
Geetha Ravichandran	68
<i>A Lesson-Corinthians 13</i>	
GJV Prasad	69
<i>And Annalakeshmi cried</i>	
Gopikrishna Kottoor	71
<i>Black Snake</i>	
Hemang Desai	73
<i>A poem, pitch-dark Clockwork</i>	
Huzefa Pandit	79
<i>We Were Two</i>	
Inam Hussain Mullick	81
<i>A Libidinous Cat Eats The Night Clouds...</i>	
Ishneet Nagpal	83
<i>Limbo</i>	
Jagati Mukherjee	85
<i>Denial</i>	
Jayanta Mahapatra	87
<i>The Hour</i>	
Jayshree Misra Tripathi	88
<i>The Outsider's Cherub</i>	
Jilam Chattraj	89
<i>Edible Stain</i>	
Jhilmil Breckenridge	91
<i>Kabul Memory, Number 99 </i>	
<i>be Girl In The Pink Raincoat</i>	
Jonaki Ray	94
<i>Vendigris</i>	
Kamayani Vashisht	95
<i>The Witch Must Die</i>	



Dr. Meenakshi Sharma



CONTENTS

Unit — I
Introduction to Medical Diagnostics and its Importance

Unit — II
Diagnostics Methods used for Analysis of Blood

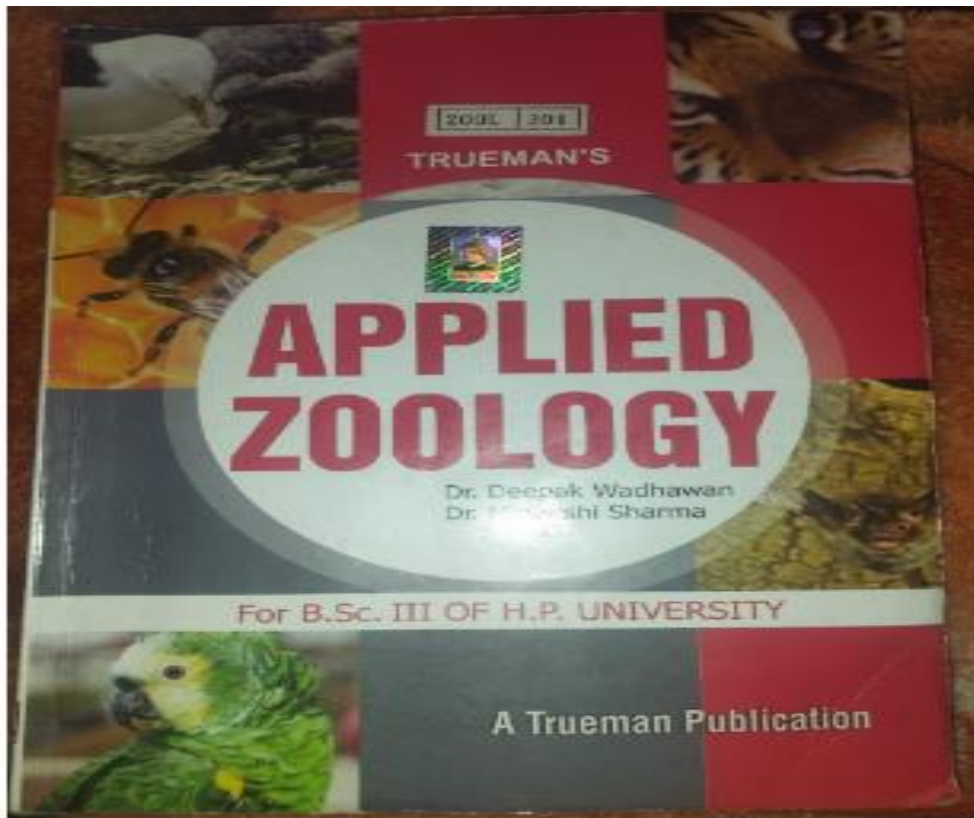
Unit — III
Diagnostic Methods used for Urine Analysis

Unit — IV
Non- Infectious Diseases

Unit — V
Infectious Diseases

Unit — VI
Tumours

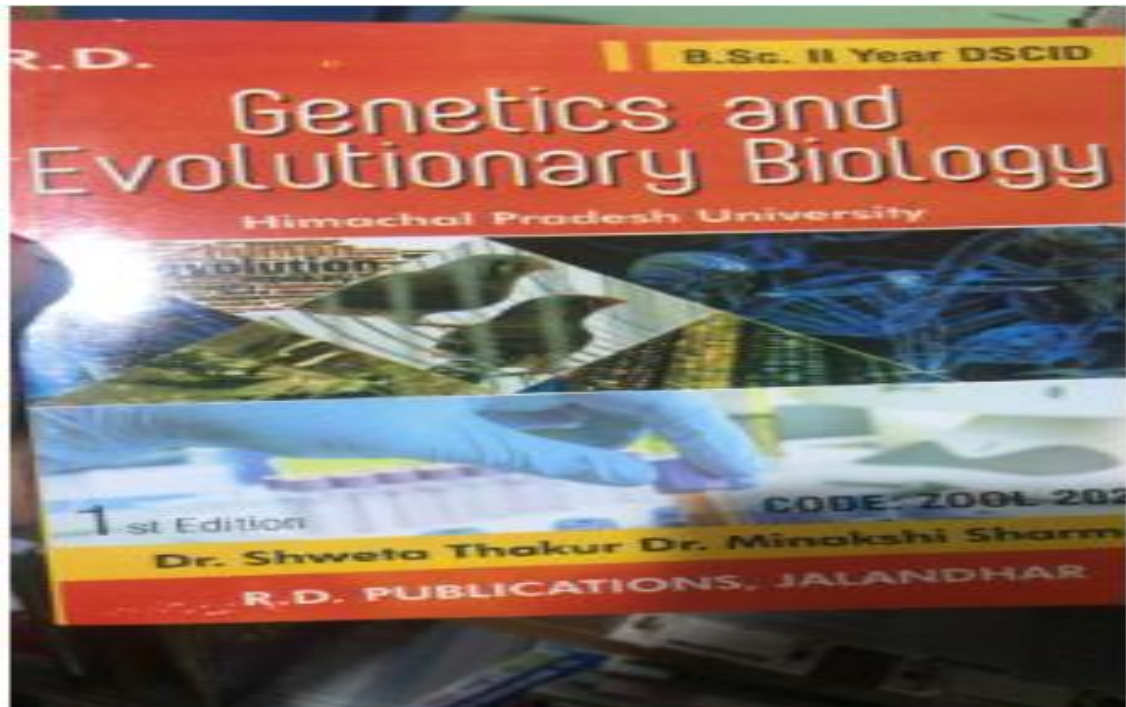
Dr. Meenakshi Sharma



Contents

Unit-1	Introduction to Host-Parasite Relationship	1-37
Unit-2	Epidemiology of Diseases	38-43
Unit-3	Rickettsiae and Spirochaetes	44-53
Unit-4	Parasitic Protozoa	54-79
Unit-5	Parasitic Helminthes	79-86
Unit-6	Insects of Economic Importance	87-94
Unit-7	Insects of Medical Importance	95-104
Unit-8	Animal Husbandry	105-117
Unit-9	Poultry Farming	118-129
Unit-10	Fish Technology	130-142

Dr. Meenakshi Sharma

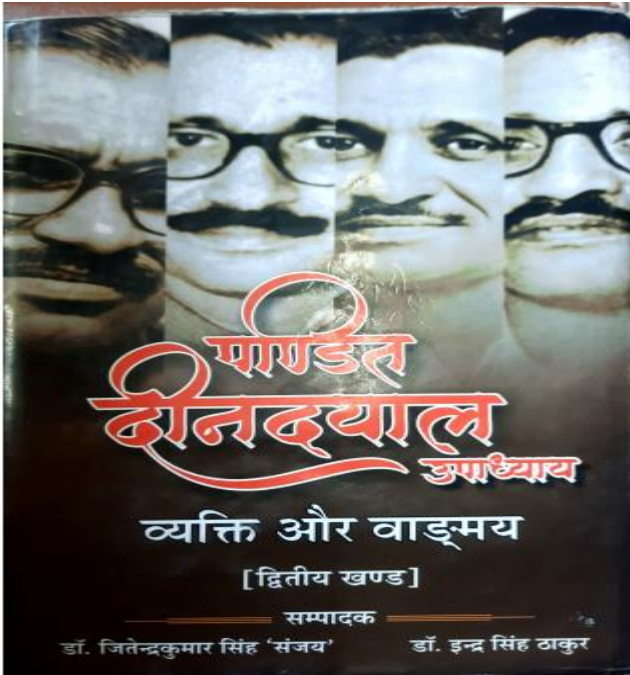


CONTENTS

1. Introduction to Genetics
2. Mendelian Genetics and Its Extension
3. Linkage, Crossing Over and Chromosomal Mapping
4. Mutations
5. Sex Determination
6. History of Life
7. Introduction to Evolutionary Theories
8. Direct Evidences of Evolution
9. Processes of Evolutionary Change
10. Species Concept
11. Macroevolution
12. Extinction

Paper

Dr. Inder Thakur



दो खण्डों का संयुक्त मूल्य : ₹ 1500.00

दो खण्डों का संयुक्त
ISBN : 978-81-7779-637-7

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय : व्यक्ति और वाङ्मय-2

ISBN : 978-81-7779-636-0

प्रकाशक : साहित्य भंडार

50, चाहचन्द (जीरो रोड), प्रयागराज-211 003

फोन : 9335155792, 9415028044

ई-मेल : sahiyabhandar50@gmail.com

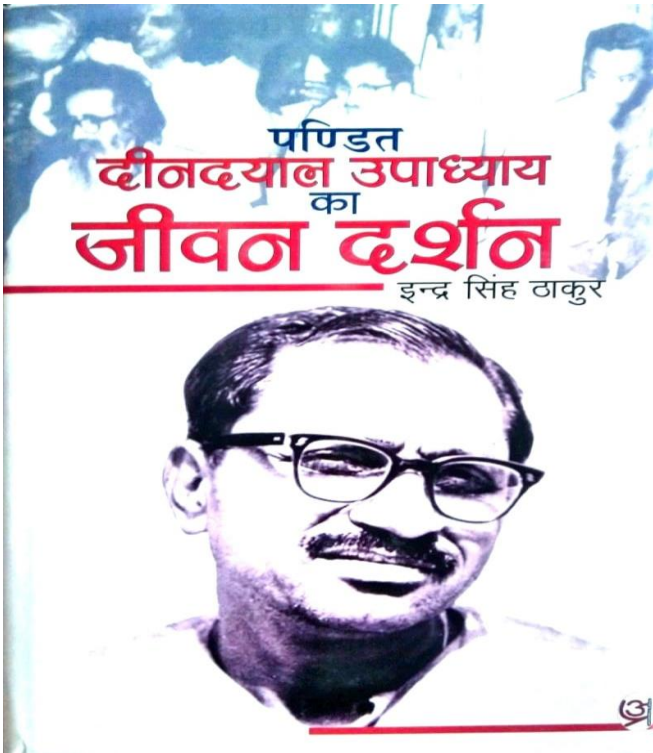
प्रथम संस्करण : 2019

मूल्य : ₹ 750.00

© : सम्पादक

लेजर टाइपसेटिंग : अमन कम्प्यूटर, बेनीगंज, प्रयागराज

मुद्रक : ग्राफिक क्रियेशन्स प्रा.लि., प्रयागराज



ISBN : 978-93-80845-10-4

मुख्य वितरक
स्याही ब्लू बुक्स, दिल्ली
syahiblue.books@gmail.com

विदेश शाखा
चौराही उप महानगरपालिका-15, नया खतपुर,
गोपाल चौक, दाङ, नेपाल (पिन : 22415)

शाखा
अनंग प्रकाशन / डा. गजराज सिंह, भगतपुर,
पोस्ट - भगतपुर, जिला- अलीगढ़ 203132 (उ.प्र.) भारत

अनंग प्रकाशन

फोन नं. 09330563707, 9540176542

सर्वाधिकार : लेखक

प्रथम संस्करण : 2020

मूल्य : 495 रुपये

ई-मेल : anangprakashan@gmail.com

anangbooks@gmail.com

अनंग प्रकाशन, बी-107/1, गली मन्दिर वाली, समीप रबड़ फील्ड, उत्तरी चोण्डा,
दिल्ली-110053, शब्द-संयोजन : सिद्ध-भक्ति ग्राफिक्स, दिल्ली-110053,
मुद्रक : राजोरिया प्रिन्टर्स, दिल्ली-32 से मुद्रित।

Dr. Inder Thakur

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के **मन की बात**

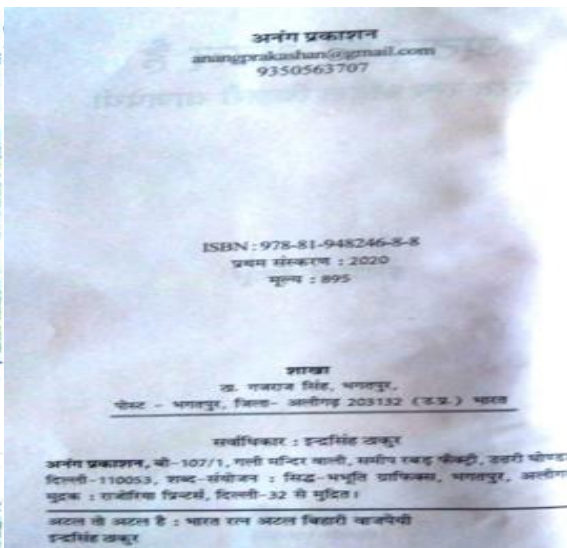
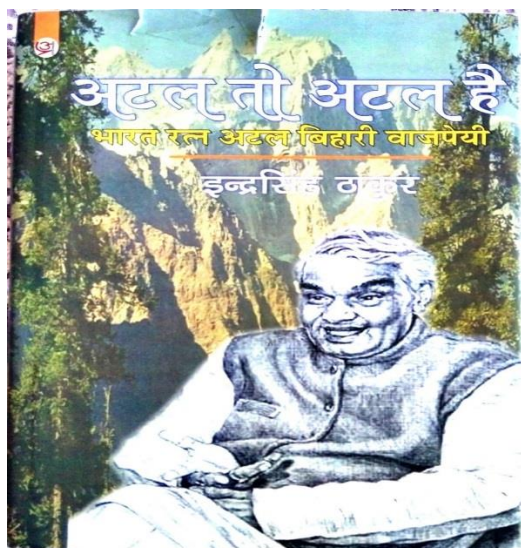
संपादन एवं संकलन
डॉ. इन्द्र सिंह ठाकुर
डॉ. रवि कुमार गौड़

देव प्रकाशन
दिल्ली-110053

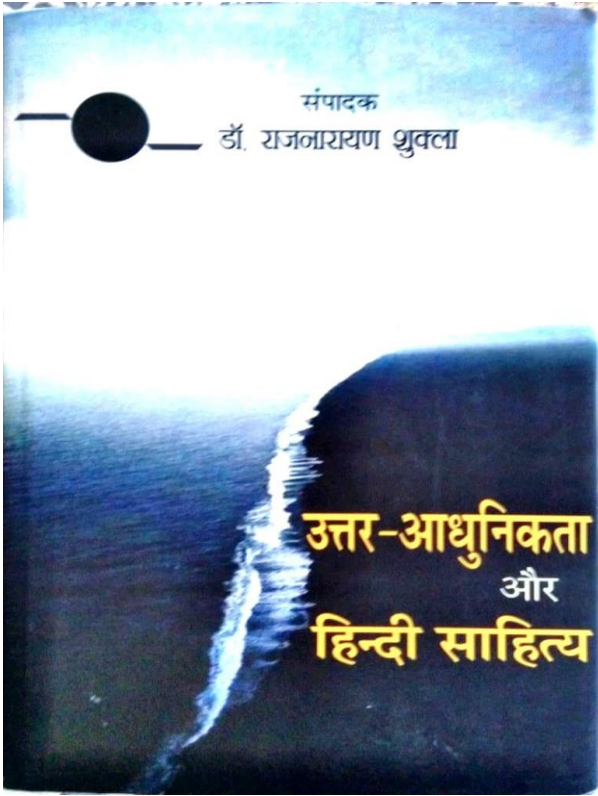
ISBN : 978-81-86485-87-5

देव प्रकाशन
फोन नं. 9540176542
सर्वाधिकार : संपादक द्वय
प्रथम संस्करण : 2019
मूल्य : 1595 रुपये
ई-मेल : devprakashan@gmail.com

देव प्रकाशन, बी-202, गली मन्दिर वाली, समीप पीतम धर्मशाला, उत्तरी घोषडा,
दिल्ली-110053, शब्द-संयोजन : एम्के इंटरप्राइजेज, दिल्ली- 110053,
मुद्रक : राजोरिया प्रिन्टर्स, दिल्ली-32 से मुद्रित।



Dr. Inder Thakur



ISBN : 978-81-944692-9-2

मुख्य वितरक
स्याही ब्लू बुक्स, दिल्ली
syahiblue.books@gmail.com

विदेश शाखा
घोराही उप महानगरपालिका-15, नया रतनपुर,
गोपाल चौक, दाङ, नेपाल (पिन : 22415)

शाखा
अनंग प्रकाशन / टा. गजराज सिंह, भगतपुर,
पोस्ट - भगतपुर, जिला- अलीगढ़ 203132 (उ.प्र.) भारत

अनंग प्रकाशन

फोन नं. 09350563707, 9540176542

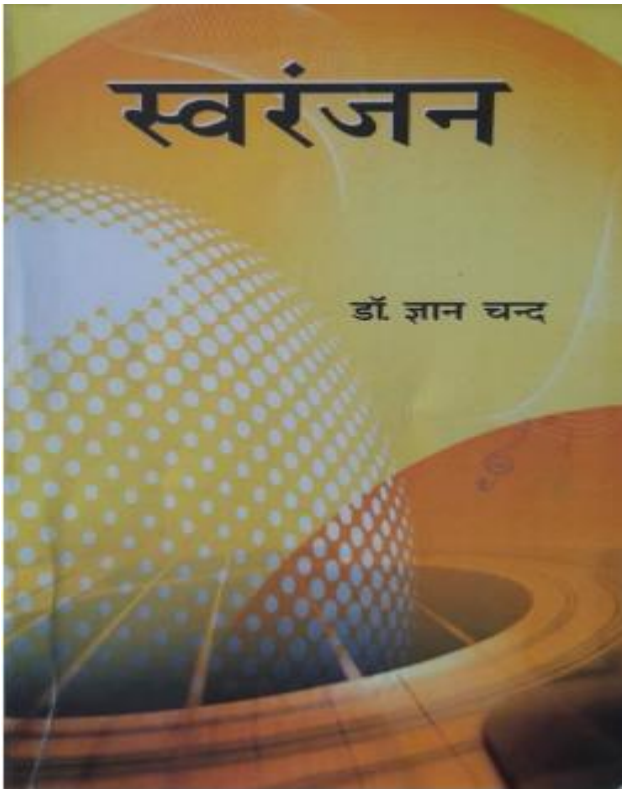
सर्वाधिकार : लेखक
प्रथम संस्करण : 2020
मूल्य : 595 रुपये

ई-मेल : anangprakashan@gmail.com
anangbooks@gmail.com

अनंग प्रकाशन, बी-107/1, गली मन्दिर वाली, समीप रबड़ फैक्ट्री, उत्तरी घोण्डा,
दिल्ली-110053, शब्द-संयोजन : सिद्ध-भभूति ग्राफिक्स, दिल्ली- 110053,
मुद्रक : राजोरिया प्रिन्टर्स, दिल्ली-32 से मुद्रित।

अनुक्रम

भूमिका	7
उत्तर आधुनिकता और भारतीय समाज — डॉ. विमलेश यादव	9
उत्तर आधुनिकता और कथा साहित्य — डॉ. नीलिमा शर्मा	17
हिन्दी काव्य में उत्तर आधुनिकता — डॉ. अरुण लता वर्मा	26
हिन्दी कहानी साहित्य में उत्तर-आधुनिकता — डॉ. अर्चना सिंह	32
उत्तराधुनिकता : एक अवलोकन — इन्द्र सिंह ठाकुर	38
उत्तर-आधुनिकता बनाम उत्तर संरचना — रवि कुमार गौड़	53
काका के काव्य में उत्तर आधुनिकता — लक्ष्मी चौहान एवं डॉ. रानी बाला गौड़	58
वर्तमान हिन्दी कहानी साहित्य में उत्तर-आधुनिकता — डॉ. नीलम गर्ग	64
उत्तर-आधुनिक सन्दर्भ में भारतीय समाज — डॉ. अंजू दुबे	76
उत्तर-आधुनिकतावाद : भाषा-सन्दर्भ — डॉ. (श्रीमती) गीता शर्मा	82
अमृतलाल नागर के उपन्यास-साहित्य में उत्तर-आधुनिकता — डॉ. साधना तोमर	86



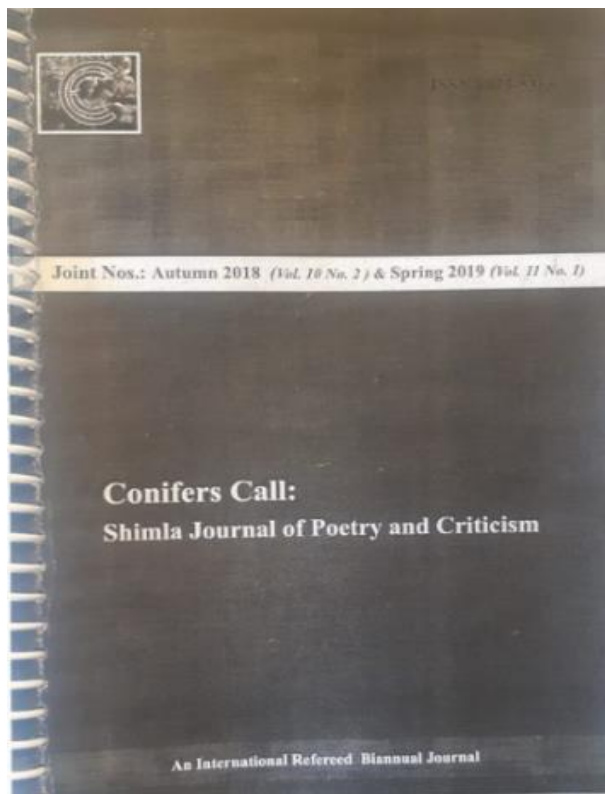
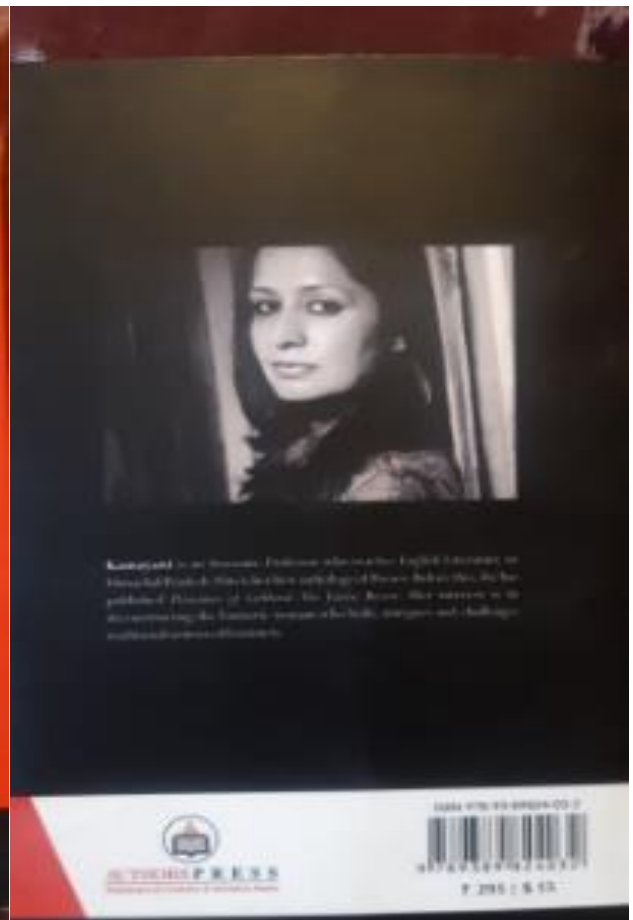
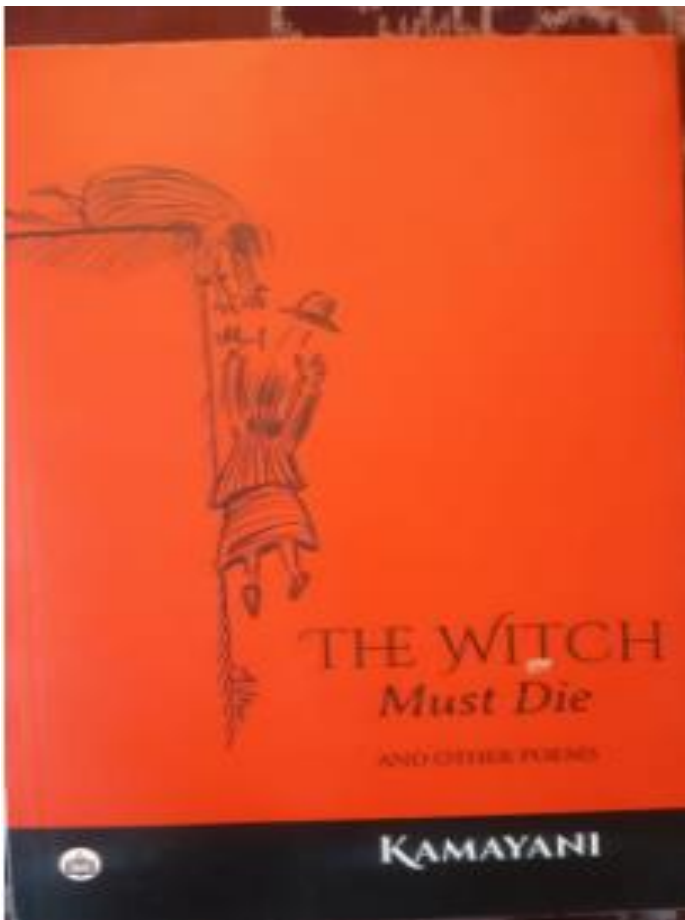
अनुक्रम

संक्षेप	iii
1. विषय-संग्रह	1
2. गानों का रूप-विज्ञान	8
3. गवयिता	15
4. गान-सूची-या-नाम	20
5. गान-रूप और गान-रचना-संबंधी	30
6. गान-रचना-संबंधी	36
7. हिन्दुस्तानी संगीत के दोन-रूप	47
8. गान-रचना-संबंधी	64
9. गान-रचना	71

संक्षेप

10. गान-रचना	71
11. गान-रचना-संबंधी	71
12. गान-रचना-संबंधी	71
13. हिन्दुस्तानी संगीत के दोन-रूप	71
14. गान-रचना-संबंधी	71
15. गान-रचना-संबंधी	71
16. गान-रचना-संबंधी	71
17. गान-रचना-संबंधी	71
18. गान-रचना-संबंधी	71
19. गान-रचना-संबंधी	71

Dr Kamayani



Contents	
Postmodernism: The Limits of Questioning <i>Raghuvanshmani</i>	1
Modernity in Post-Independence Indian Punjabi Literature (Fiction): Response and Growth of Punjabi Literature <i>Ravinder Singh</i>	9
The Impossibility of Insular Cultures <i>Kamayani Bishu</i>	16
Draupadi Speaks... <i>Anju Jagpal</i>	20
Night Gandhi's Rakhi Sawant of Sind: An Insight into the Tribulations and Social Exclusion of Transgenders <i>Ruchi Raj Thakur</i>	31
POETRY	39
Kamayani Bishu Harishankar Raihi Anjali Dewan Jasmine Kaur Ishika Bansal Ayush Sharma	
SHORT STORIES	50
A Horse Gone Astray <i>Amradha Bhattacharyya</i> A Three Line Parable <i>Harish K. Thakur</i>	
Harmonising and Solidifying Class Alliance: A Study of Ngugi wa <i>Thiong'O's Petals of Blood</i> <i>Sanjeev Kumar</i>	51

Dr. Pawan Kumar

ACCEPTED MANUSCRIPT

First principles studies of Si clusters

Cite as: AIP Conference Proceedings 2115, 050303 (2019); <https://doi.org/10.1063/1.5193219>

Published Online 12 July 2019

Pawan Kumar



AIP Conference Proceedings

Get 30% off all print proceedings!

Enter Promotion Code **PDP30** at checkout



First Principles Studies of Si Clusters

Pawan Kumar

Centre of Excellence, Govt. Degree College Sanjauli, Shriola

pawankumarsolan@gmail.com

Abstract. Clusters are in between atoms and bulk matter. Using Quantum Espresso *ab-initio* package we found most stable structures for Si, Si₂, Si₃, Si₄, Si₅, Si₆, Si₇H₇ and Si₇H₈ and visualized the resulting structures using XCRYSDEN. We also analyzed these structures using symmetry, density of states, valence band width and band gap values. In case of hydrogenated Si clusters broader valence band and narrower band gap has been found well to correlates with stability.

INTRODUCTION

Clusters are the aggregate of atoms or molecules with a well-defined number of constituents ranging from few to several thousands of atoms. They form the intermediate between atoms (or molecules) and the bulk matter and the study of clusters actually study of the evolution of the physical matter from atoms towards bulk solids.

Study of clusters can help us in the potential use them in the technological applications[1-2]. Study of cluster research how the clusters are different from atoms and bulk, their behavior changes with size, their geometry and structure. Further, how variations in their size are related to the electronic, magnetic, optical and chemical properties. These studies can lead us to tailor their properties to get desired properties.

The bulk crystalline matter is arranged in a periodic form while clusters are much smaller and are usually just non-periodic aggregates of atoms. Due to these variations in the properties of clusters and bulk matter the entire theoretical framework used to describe the bulk matter is simply not applicable to clusters.

METHODS

The tool which we have used in our study is Quantum-Espresso package. It is a full *ab-initio* package implementing electronic structure and energy calculations. Inside this package, PWSCF is the code which is used to perform total energy calculation. We have used generalized gradient approximation (GGA) of density functional theory using QM. Self-consistent calculations are done after supplying atomic positions and atoms are moved to decrease system energy. This is repeated till energy convergence is not achieved. XCRYSDEN has been used to visualize the resulting structures.

RESULT AND DISCUSSIONS

We have studied properties of Si clusters up to n=13. The properties discussed are structure, energy, density of states and energy level diagrams. We have also hydrogenated the resulting cluster of n=13 with hydrogen atoms.

J. Appl. Phys. 115, 050303 (2019); <https://doi.org/10.1063/1.5193219>
Published by AIP Publishing. 978-0-7354-4831-6/\$30.00

Dr. Sandeep Chauhan

Pradeep's
Polymer Chemistry

According to latest syllabus for Semester V of H.P. University and other Indian Universities and Autonomous Colleges

Dr. Sandeep Chauhan
M.Sc., M.Phil., Ph.D.
Associate Professor,
Centre of Excellence,
Government College Sanjauli,
SHIMLA (H.P.)

Dr. Nitika Chauhan
M.Sc., M.Phil., Ph.D.
Assistant Professor,
R.K.M.S.
SHIMLA (H.P.)

PRADEEP PUBLICATIONS
JALANDHAR (INDIA)

Published by
PRADEEP PUBLICATIONS
Head Office : Chanda Road, opp. Gita Mandir, Jalandhar-148 001 (Pb.)
Tel: 0191-2507319, 2507324, Fax: 0191-2504348, 2504349
e-mail: pradeeppublications@gmail.com
Branch Office : E-20, Sector 29, Phase 1, Gurgaon, Haryana, New Delhi - 119 002
Tel: 011-26108930, 26108931
All rights reserved in Jalandhar/Jalandhar only

All rights reserved
© Pradeep

If registered, for part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, scanning, web or otherwise without the prior written permission of the publisher. Pradeep Publications has obtained all the information in this book from the sources believed to be true and reliable. However, Pradeep Publications or its authors or editors or distributors shall bear any responsibility for the accuracy or the reliability of the information published and for damage or loss in any respect.

Edition : 2019
ISBN : 978-93-88875-27-1
PRICE : ₹ 175.00

Printed at: Choice Printers, Jalandhar.

Pradeep's
ORGANIC CHEMISTRY

[Polynuclear Hydrocarbon, Dyes, Heterocyclic Compounds and Spectroscopy (UV, IR, NMR)]

According to latest syllabus for B.Sc. III of H.P. University and Semester V of other Indian Universities and Autonomous Colleges

Dr. Sandeep Chauhan
M.Sc., Gold Medalist, M.Phil., Ph.D.
UGC-JLET CARE
Associate Professor of Chemistry,
Centre of Excellence,
Government College, Sanjauli,
SHIMLA

Dr. Nitika Chauhan
M.Sc., Gold Medalist, M.Phil., Ph.D.
UGC-NET
Assistant Professor of Chemistry,
R.K.M.S.,
SHIMLA

Published by
PRADEEP PUBLICATIONS
Head Office : Chanda Road, opp. Gita Mandir, Jalandhar-148 001 (Pb.)
Tel: 0191-2507319, 2507324
e-mail: pradeeppublications@gmail.com
Branch Office : E-20, Sector 29, Phase 1, Gurgaon, Haryana, New Delhi - 119 002
Tel: 011-26108930, 26108931
All rights reserved in Jalandhar/Jalandhar only

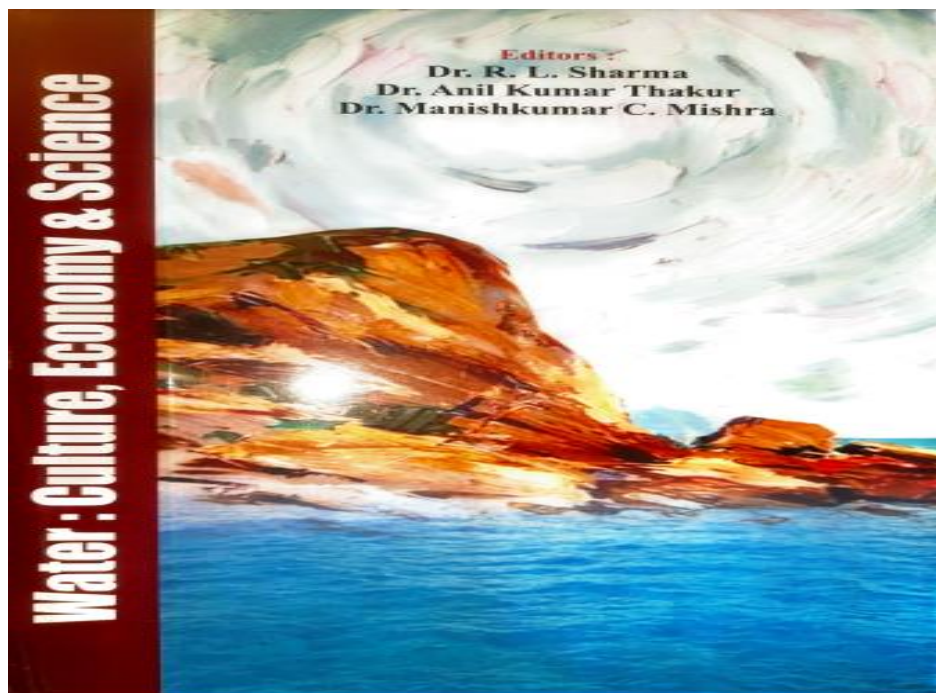
All rights reserved
© Pradeep

If registered, for part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, scanning, web or otherwise without the prior written permission of the publisher. Pradeep Publications has obtained all the information in this book from the sources believed to be true and reliable. However, Pradeep Publications or its authors or editors or distributors shall bear any responsibility for the accuracy or the reliability of the information published and for damage or loss in any respect.

Edition : 2020
ISBN : 978-93-88875-40-3
PRICE : ₹ 265.00

Printed at: New Varma Printers, Jalandhar.

Dr. R. L Sharma



Dr. R. L. Sharma, Associate Professor (Economics), Centre of Excellence, Government College, Sanjauli, Shimla-6, has a teaching experience of 23 years in different colleges of Himachal Pradesh. His area of specialization is resource economics. He is life member of many academic bodies in India. Presently, he is an elected General Secretary of the Himachal Government College Teachers' Association. He has presented papers in many national and international conferences and seminars. He has extensively published on natural resources, farming systems, common property resources, impact of globalization and climatic change on horticulture, issues and challenges of food security and economic reforms. He has authored a text book on Indian Financial Systems. He was awarded the Associateship of the UGC-Inter-University Centre at Indian Institute of Advanced Studies, Shimla.



Dr. Anil Kumar Thakur, Associate Professor (Botany), Centre of Excellence, Government College, Sanjauli, Shimla-6, has a teaching experience of 21 years in different colleges of Himachal Pradesh. His areas of interest are environmental biology of crop plants, biodiversity, medicinal plants and traditional knowledge. He has authored more than ten textbooks (with co-authors) for the Under Graduate students of Botany and also published equal number of research papers and book chapters. He has also presented his papers in many national and international conferences and seminars. He has completed one UGC funded research project in 2013. He was awarded the Associateship of UGC-Inter-University Centre at Indian Institute of Advanced Studies, Shimla. He is life member of the Indian Science Congress, Indian Botanical Society and executive member of the Indian Association for Biology Education.



Dr. Manishkumar C. Mishra is working as an Assistant Professor in the Department of Hindi at K.M. Agrawal College of Arts, Commerce & Science, Kalyan (West), Maharashtra since September 2010. He worked at Banaras Hindu University, Varanasi, Uttar Pradesh for two years as UGC Research Awardee and completed his Research Project. He has authored three books on various aspects of Hindi literature and also edited more than twelve books on topics of academic importance. He is associated with many interdisciplinary research projects funded by various academic agencies. He was awarded the Associateship of UGC-Inter-University Centre at Indian Institute of Advanced Studies, Shimla. Presently, he is working on Cinema and Folk Culture of Maharashtra.

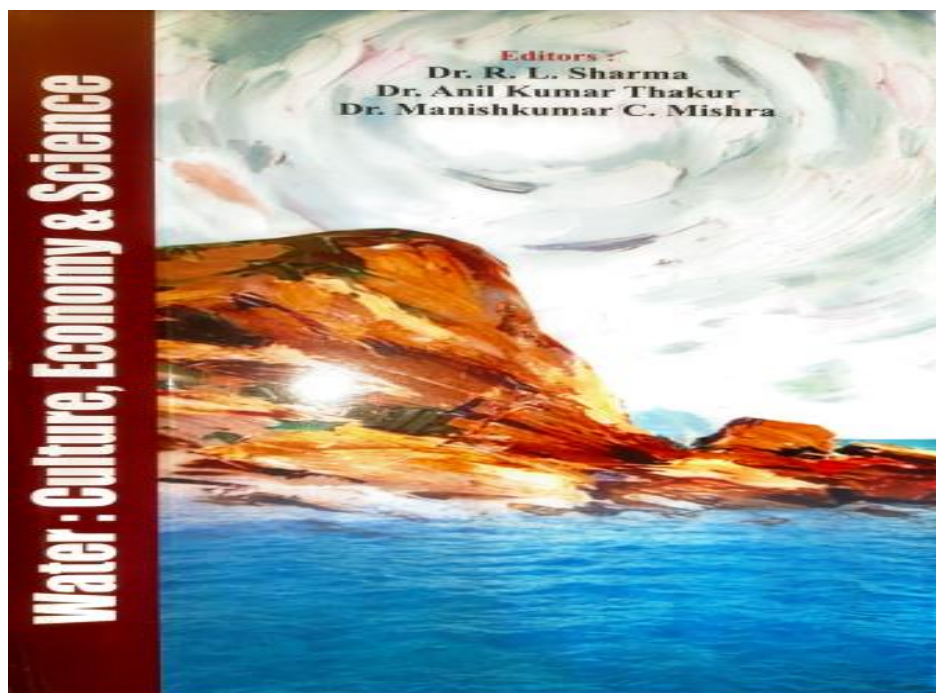


R. K. Publication
Mumbai



ISBN 978-93-84575-44-7
9 789386 579447
Rs. 650/-

Dr. Anil Thakur



Dr. R. L. Sharma, Associate Professor (Economics), Centre of Excellence, Government College, Sanjauli, Shimla-6, has a teaching experience of 23 years in different colleges of Himachal Pradesh. His area of specialization is resource economics. He is life member of many academic bodies in India. Presently, he is an elected General Secretary of the Himachal Government College Teachers' Association. He has presented papers in many national and international conferences and seminars. He has extensively published on natural resources, farming systems, common property resources, impact of globalization and climatic change on horticulture, issues and challenges of food security and economic reforms. He has authored a text book on Indian Financial Systems. He was awarded the Associateship of the UGC-Inter-University Centre at Indian Institute of Advanced Studies, Shimla.



Dr. Anil Kumar Thakur, Associate Professor (Botany), Centre of Excellence, Government College, Sanjauli, Shimla-6, has a teaching experience of 21 years in different colleges of Himachal Pradesh. His areas of interest are environmental biology of crop plants, biodiversity, medicinal plants and traditional knowledge. He has authored more than ten textbooks (with co-authors) for the Under Graduate students of Botany and also published equal number of research papers and book chapters. He has also presented his papers in many national and international conferences and seminars. He has completed one UGC funded research project in 2013. He was awarded the Associateship of UGC-Inter-University Centre at Indian Institute of Advanced Studies, Shimla. He is life member of the Indian Science Congress, Indian Botanical Society and executive member of the Indian Association for Biology Education.



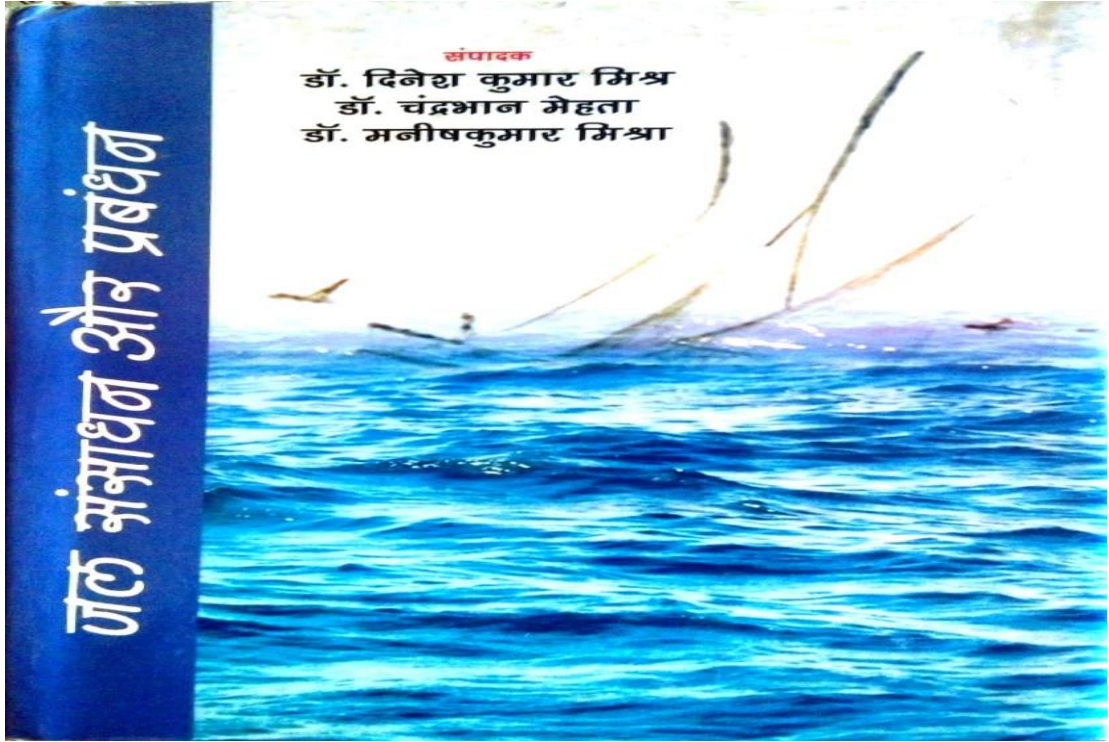
Dr. Manishkumar C. Mishra is working as an Assistant Professor in the Department of Hindi at K.M. Agrawal College of Arts, Commerce & Science, Kalyan (West), Maharashtra since September 2010. He worked at Banaras Hindu University, Varanasi, Uttar Pradesh for two years as UGC Research Awardee and completed his Research Project. He has authored three books on various aspects of Hindi literature and also edited more than twelve books on topics of academic importance. He is associated with many interdisciplinary research projects funded by various academic agencies. He was awarded the Associateship of UGC-Inter-University Centre at Indian Institute of Advanced Studies, Shimla. Presently, he is working on Cinema and Folk Culture of Maharashtra.



R. K. Publication
Mumbai



Dr C B Mehta



ISBN : 978-93-86579-45-4

प्रथम संस्करण : 2018

© संपादक

अक्षर संयोजन एवं आवरण

क्रिएटिव इमेज, मुंबई

E-mail : creativeimage24@gmail.com

प्रकाशक:

मूल्य : ₹ 350/-

आर. के. पब्लिकेशन

1/12, पारस दूधे सोसायटी, ओवरी पाडा,

एस.वी. रोड, दहिसर (पूर्व),

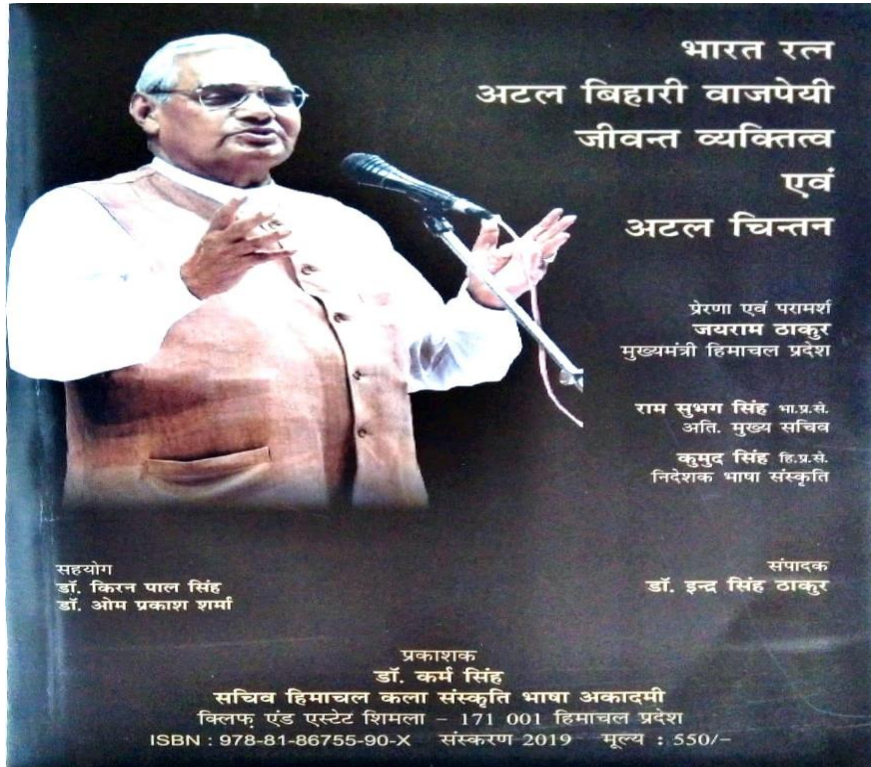
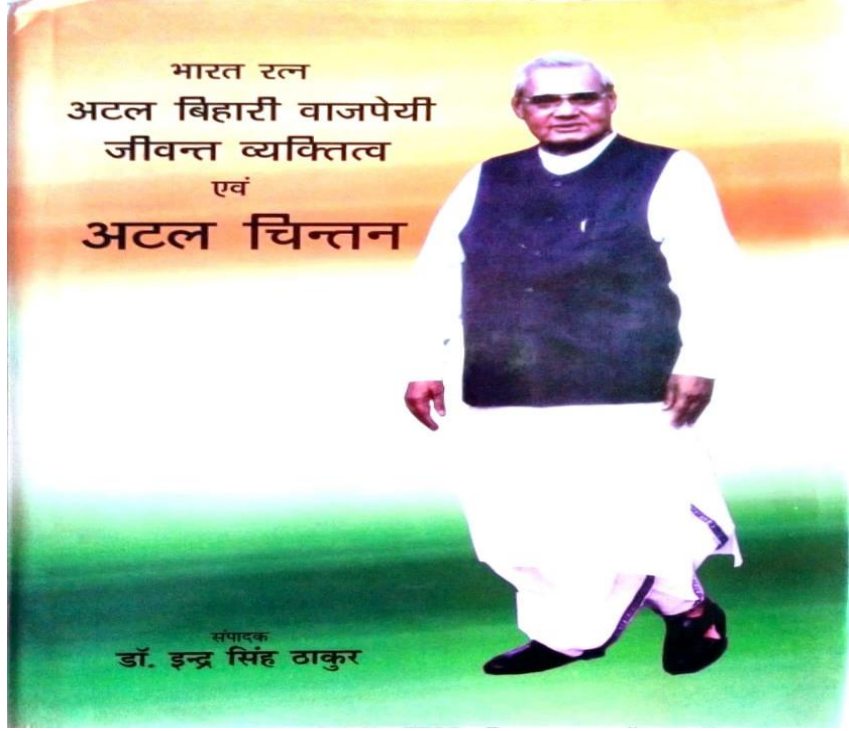
मुम्बई - 400 068.

फोन : 9022 521190 / 9821 251190

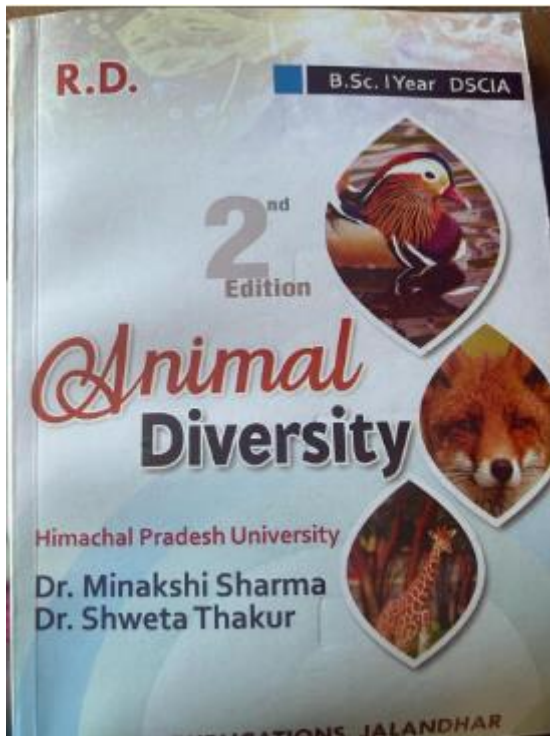
E-mail : publicationrk@gmail.com

Jal Sansadhan Aur Prabandhan By Editors

Dr. Inder Thakur

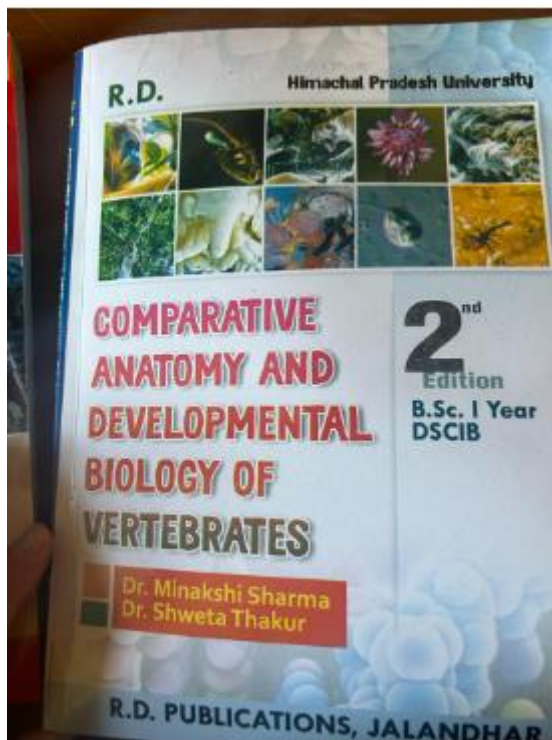


Dr. Meenakshi Sharma



CONTENTS

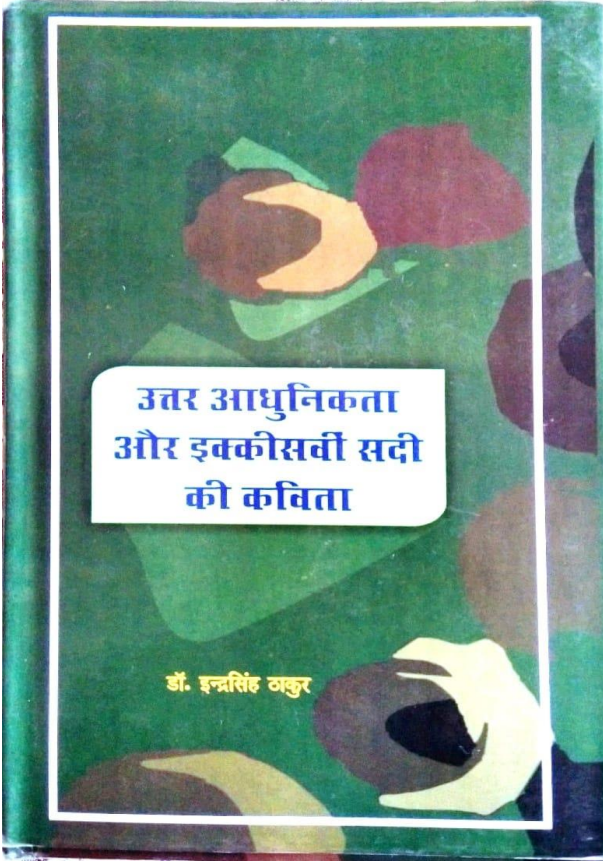
1. Kingdom Protista	1-20
2. Phylum Porifera	21-29
3. Phylum Cnidaria	30-36
4. Phylum Platyhelminthes	37-50
5. Phylum Aschelminthes	51-68
6. Phylum Annelida	69-80
7. Phylum Arthropoda	81-111
8. Phylum Mollusca	112-128
9. Phylum Echinodermata	129-144
10. Protochordata	145-153
11. Agnatha	154-155
12. Pisces	156-166
13. Amphibia	167-184
14. Reptilia	185-203
15. Aves	204-221
16. Mammalia	222-241
Index	242-248



CONTENTS

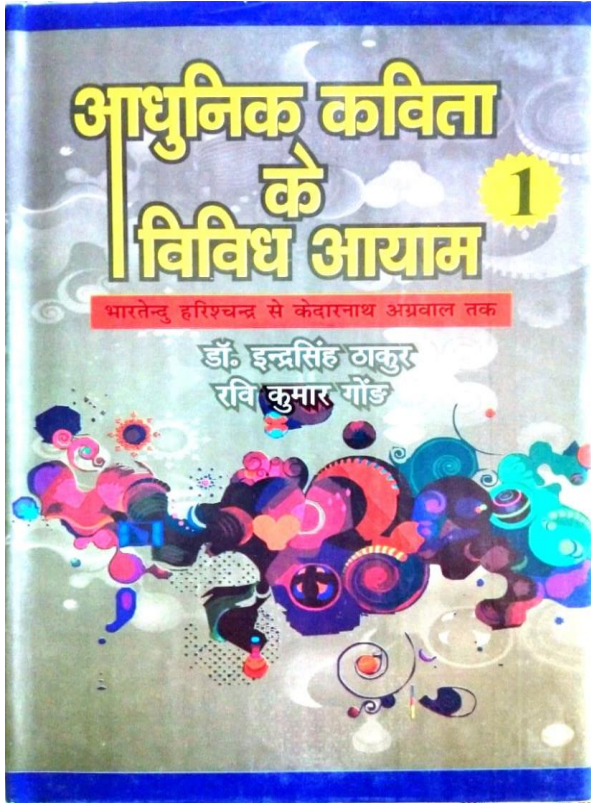
COMPARATIVE ANATOMY OF VERTEBRATES	
1. Integumentary System	1-10
2. Skeletal System	11-16
3. Digestive System	17-25
4. Respiratory System	26-30
5. Circulatory System	31-38
6. Excretory System	39-45
7. Nervous System	46-55
8. Sense Organs	56-65
EARLY EMBRYONIC DEVELOPMENT	
9. Gametogenesis	66-70
10. Fertilisation	71-75
11. Early Development of Frog and Man	76-85
12. Metamorphosis - Mosquito	86-90
LATE EMBRYONIC DEVELOPMENT	
13. Implantation and Placentation	91-95
14. Post Metamorphosis	96-100
ENVIRONMENTAL DEVELOPMENT	
15. Immune-like Communication and Cell Signalling	101-105
16. Apoptosis - Programmed Cell Death	106-110
Index	111-115

Dr. Inder Thakur



© कॉपी राइट : सुरक्षित-डॉ. इन्द्रसिंह ठाकुर
ISBN-978-81-89562-61-8
संस्करण : प्रथम, 2017
मूल्य : 350.00

नेशनल काउंसिल ऑफ हिन्दी लिटरेचर
33/1, भूलभुल्लेखी रोड, महरोली, नई दिल्ली-110030
फोन : 26641981, 26641880 के लिए प्रकाशित एवं
वर्ल्ड लिटरेचर इण्डिया द्वारा जैमिनी प्रिंटिंग सर्विस, दिल्ली में मुद्रित।
Uttar Adhunikata Aur Ekkisvin Sadi Ki Kavita
by Dr. Indra Singh Thakur



प्रकाशक

विजयदेव शारी

राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य परिषद्

33/1, भूलभुल्लेखी रोड, महरोली, नई दिल्ली-110030

फोन: 011-26641981, 26641880, 09811367907

मुद्रक

वर्ल्ड लिटरेचर इण्डिया द्वारा
जैमिनी प्रिंटिंग सर्विस, दिल्ली में मुद्रित।

ISBN

978-93-85224-00-3

मूल्य

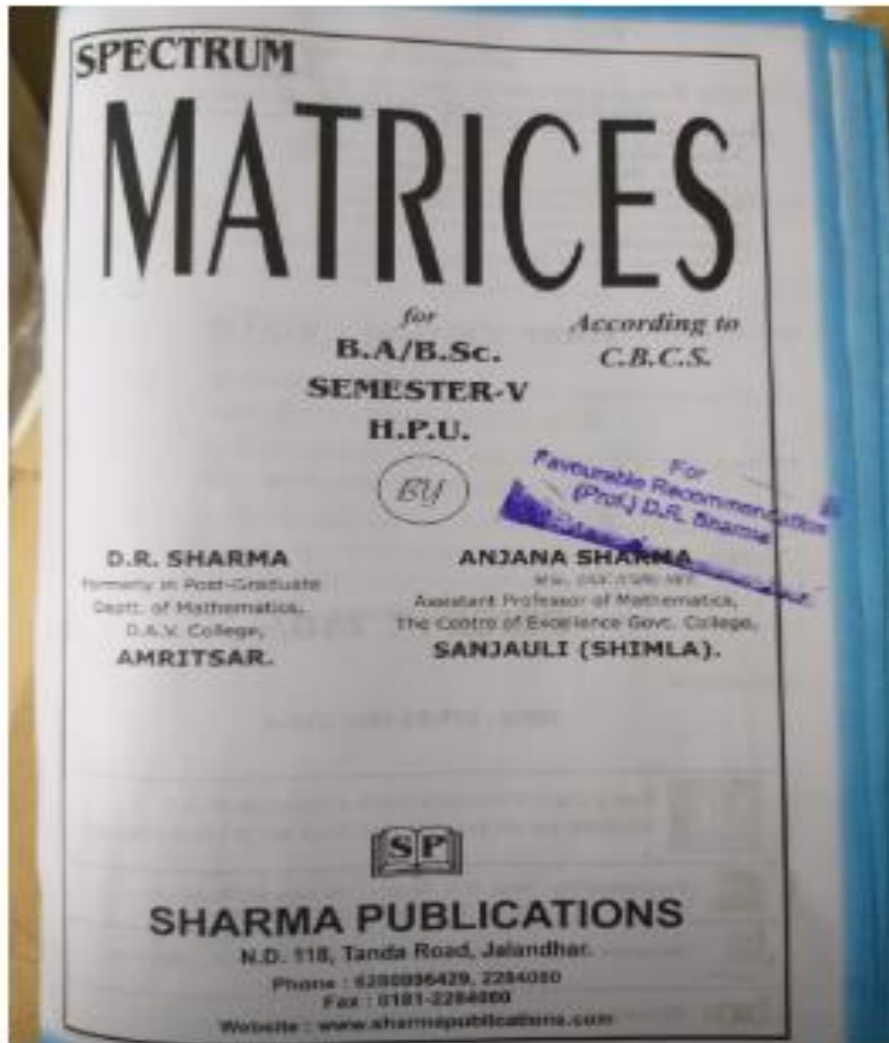
450.00

संस्करण

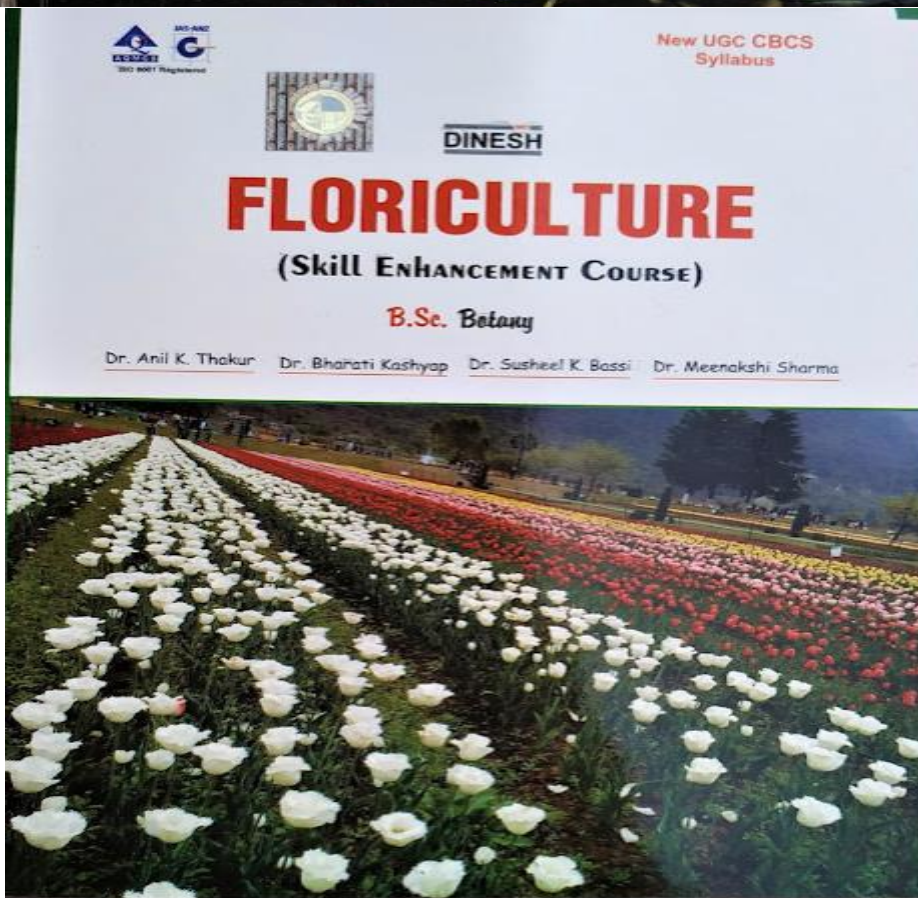
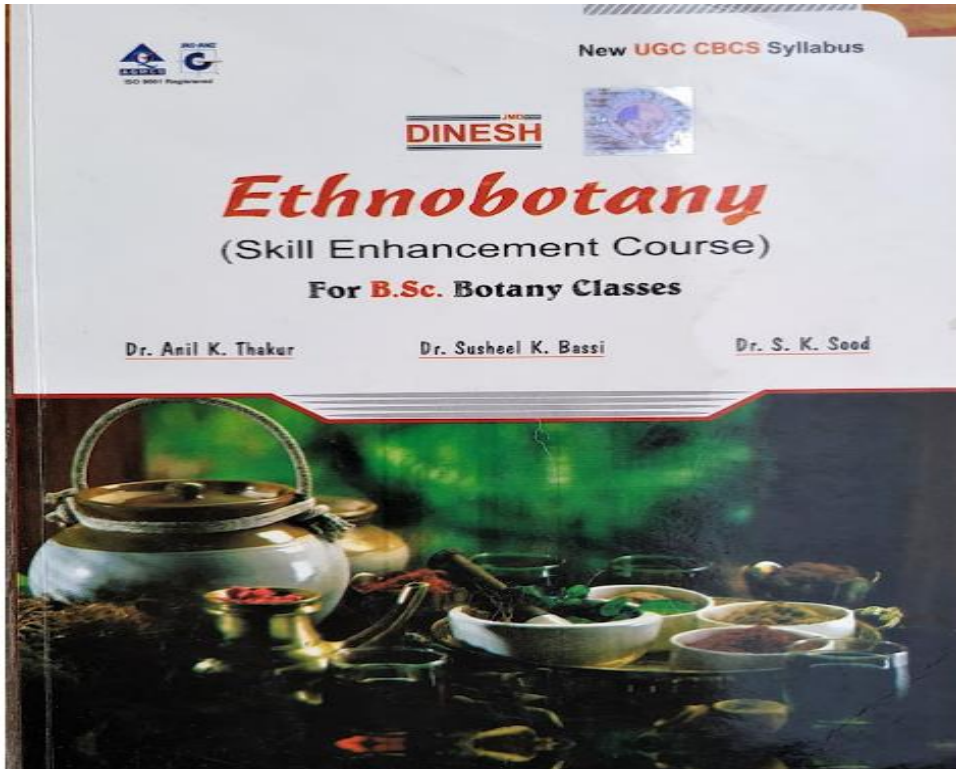
प्रथम, 2016

Aadhunik Kavita Ke Vividh Aayam
by Dr. Indrasingh Thakur, Ravi Kumar Goan

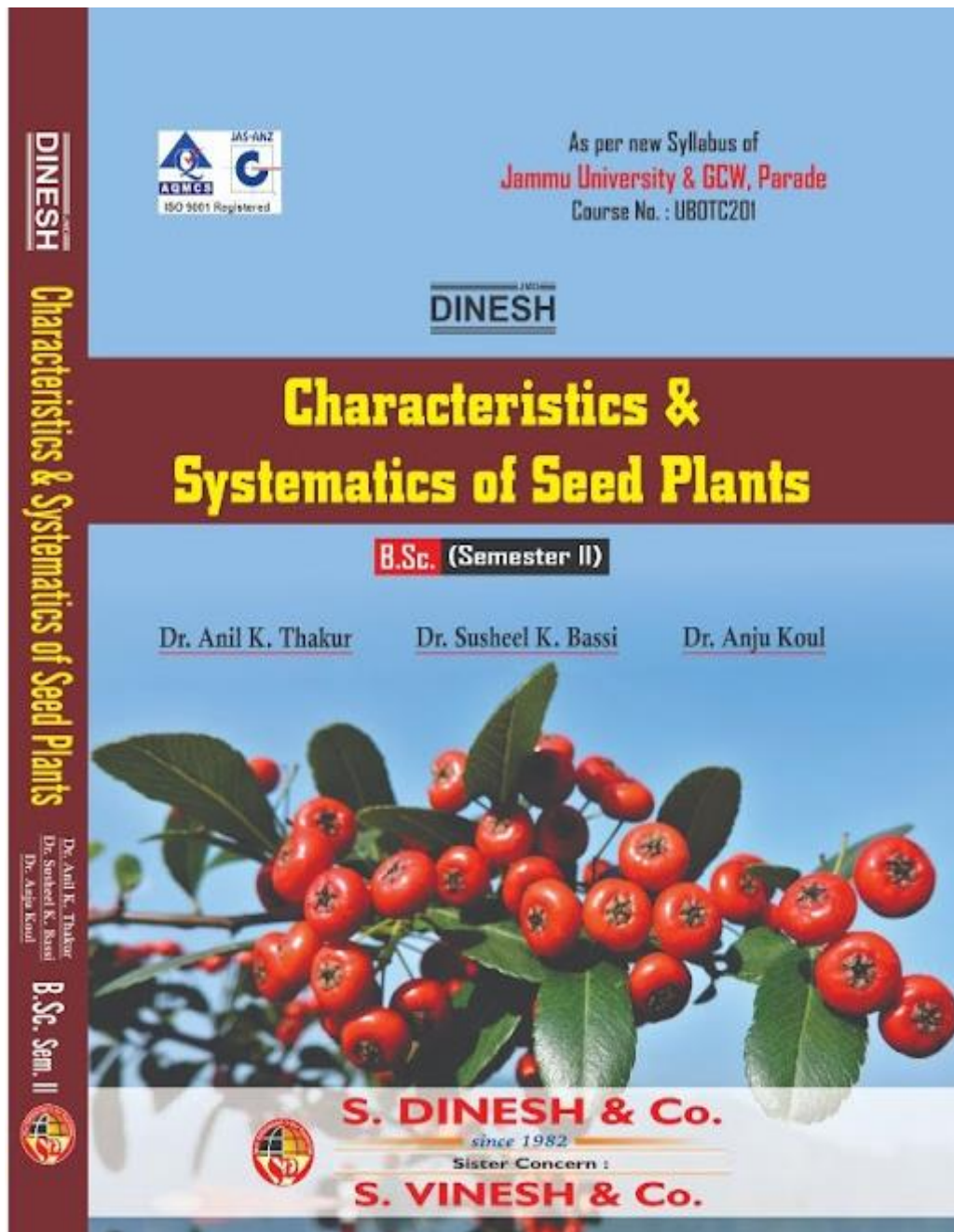
Dr. Anjana Sharma



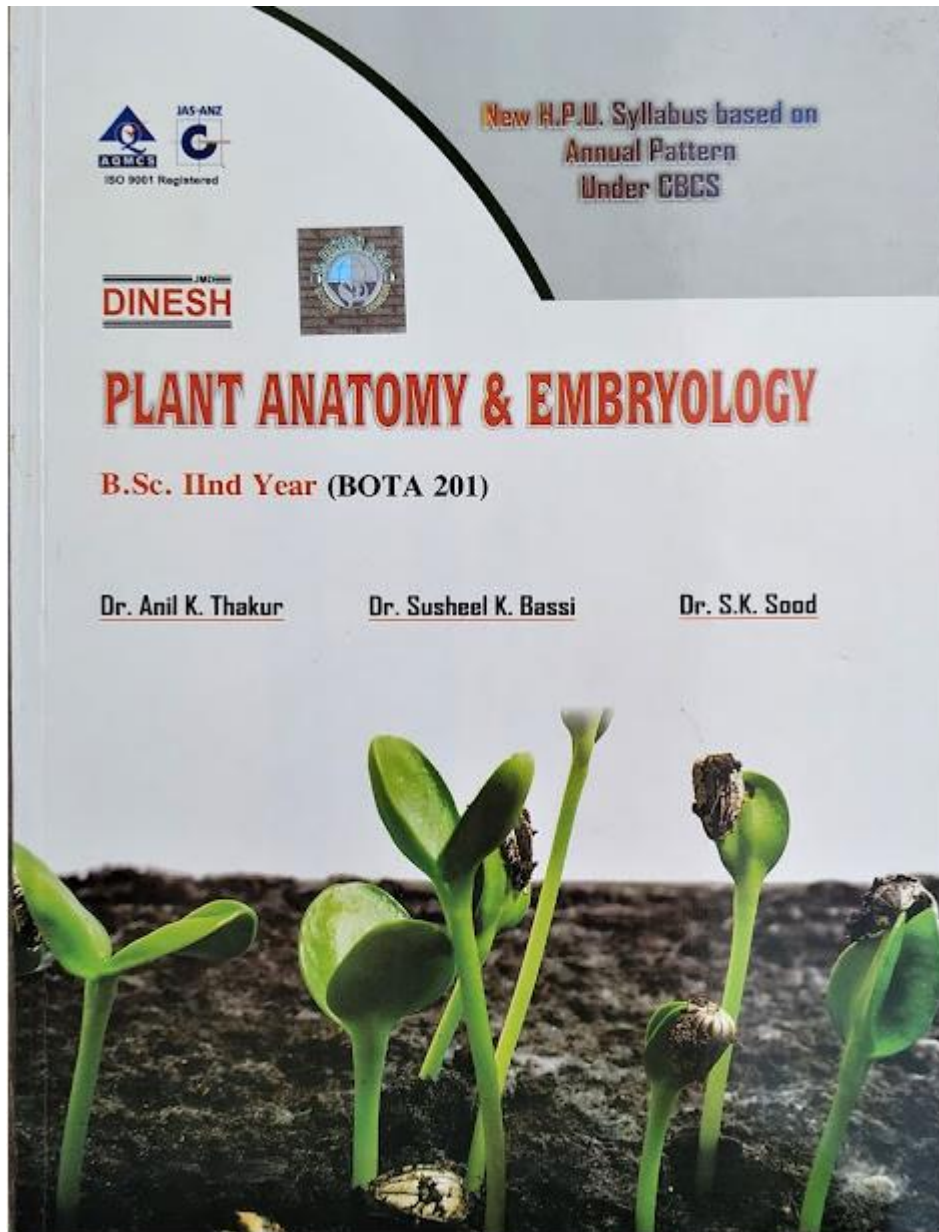
Dr. Anil Thakur



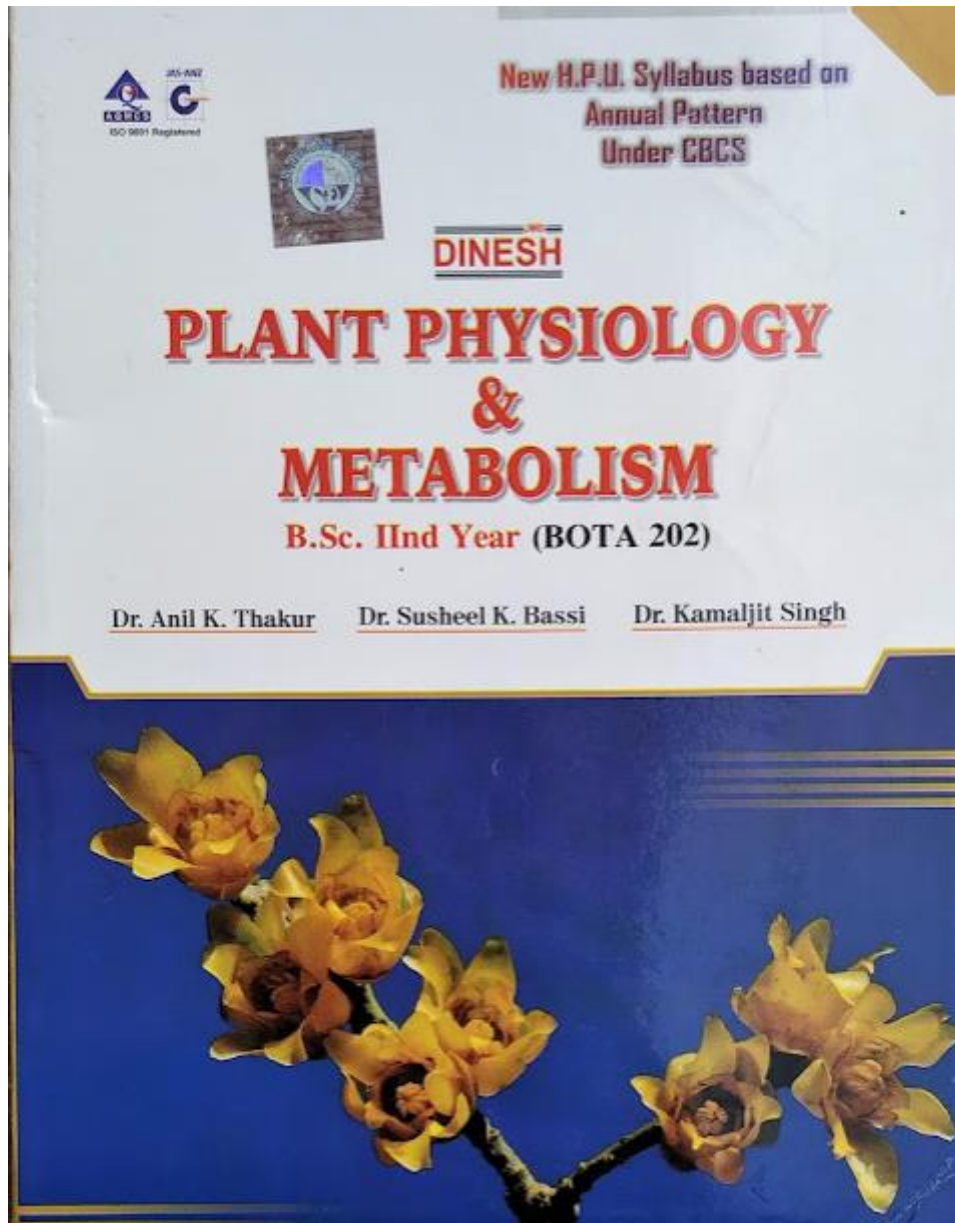
Dr. Anil Thakur



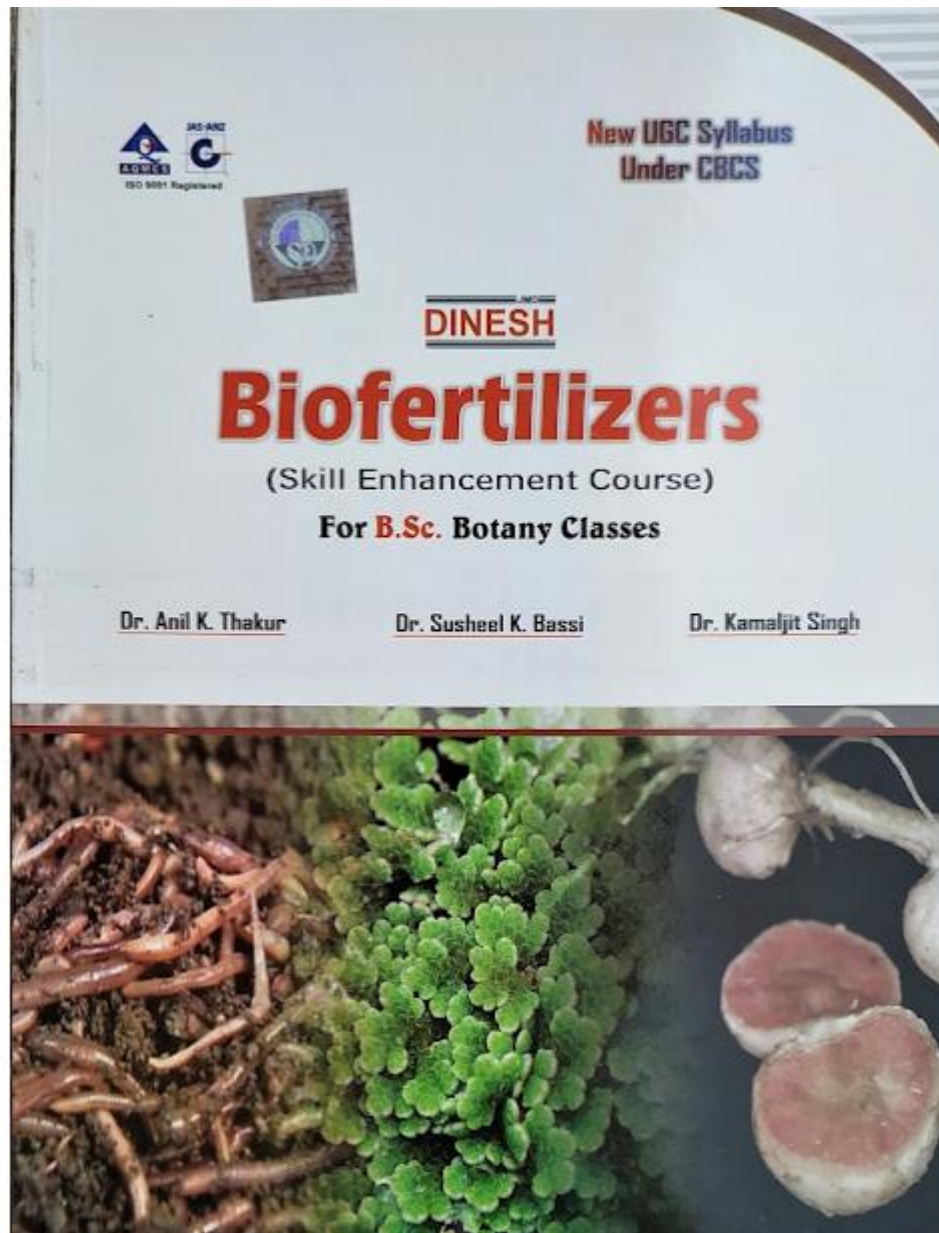
Dr. Anil Thakur

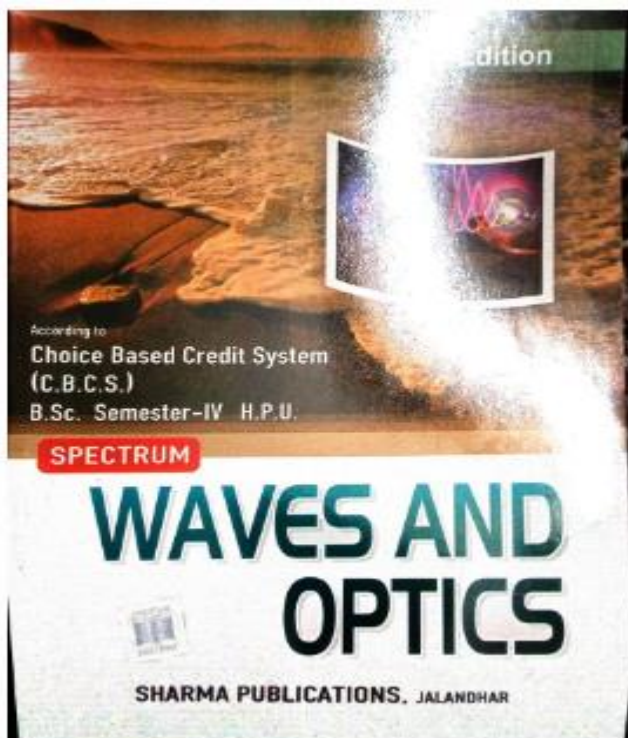


Dr. Anil Thakur



Dr. Anil Thakur





SPECTRUM
WAVES AND OPTICS
Choice Based Credit System (C.B.C.S.)
 for
B.Sc. SEMESTER-IV
H.P.U.
 BY
Dr. K.K. SHARMA
M.Sc., M.Phil., Ph.D., NET/JRF, PGCE
 Head, Deptt. of Physics,
 Govt. G.N. Hassan College,
 JAMMU.

Dr. PAWAN KUMAR SHARMA
M.Sc., M.Phil. Ph.D., NET/JRF
 Head, Department of Physics,
 Centre of Excellence,
 Govt. Degree College,
 BANJAROLE (SHIMLA).

REKHA SHARMA
M.Sc., M.Phil.
 Department of Physics,
 Govt. College,
 UNA.

VIPIN SHARMA
 Assistant Professor
 Department of Physics,
 Govt. P.G. College,
 HAMIRPUR.

SP
SHARMA PUBLICATIONS
 N.D. 118, Tanda Road, Jalandhar.
 Phone : 0181-2284080, 6546080, 6536080
 Fax : 0181-2284080
 Website : WWW.Sharmapublications.com

All rights Reserved
(This book or a part thereof may not be reproduced in any form without the written permission of the Publisher)

Neither Sharma Publications nor its authors guarantee the accuracy or completeness of any information published herein, and neither Sharma Publications nor its authors shall be responsible for any errors, omissions, or damages arising out of use of this information.

FIRST EDITION : 2017

PRICE : ₹ 200/-

ISBN : 978-93-5181-210-4

Every Copy of this book has the hologram of S P
 Students should buy only that book which has the hologram.

Published By : Prof. D.N. Sharma for Sharma Publications,
 N.D. 118, Tanda Road, Jalandhar.

Composed By : Nisha Handa for Accurate Centre, Jalandhar.

Printed at : Alpha Printing Press, Jalandhar.

CONTENTS

1. Waves	1 - 62
2. Fluids	63 - 87
3. Sound	88 - 114 ¹
4. Interference of Light	115 - 158 ¹¹
5. Diffraction of Light	159 - 197 ¹¹
6. Polarization	198 - 226 ¹¹

Yashvi
 Principal
 Govt. College Sanjauli
 Shimla-06
 Principal
 CUE, Govt. College
 Sanjauli, Shimla-6